

जो अपने समय का सबसे अधिक दुरुपयोग करते हैं, वे ही समय की कमी की सबसे अधिक शिकायत करते हैं।

-ब्रूयर्

अमृत दर्शन

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक



कोलकाता। पीएम मोदी ने हुगली नदी में नाव की सवारी की: नाव चलाने वाले को गले लगाया, रु. 1000 दिए 15 दिन पहले झालमुड़ी खाई थी।

पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

गुवाहाटी। गुवाहाटी हाईकोर्ट ने शुक्रवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी से जुड़े मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। जस्टिस पार्थिव ज्योति सैकिया ने कहा कि खेड़ा ने रिनिकी भुइयां शर्मा पर आरोप लगाने के लिए जिन दस्तावेजों को आधार बनाया है, पुलिस के मुताबिक वे पहले ही फर्जी साबित हो चुके हैं। कोर्ट ने कहा कि खेड़ा यह साबित नहीं कर पाए कि रिनिकी के पास कई देशों के पासपोर्ट हैं या उन्होंने अमेरिका में कंपनी बनाकर निवेश किया है। पहली नजर में ये फर्जी दस्तावेज रखने का केस बनता है। इसलिए पुलिस को जांच के लिए हिरासत में पुष्पाञ्जलि खेड़ा है। खेड़ा ने 5 अप्रैल को आरोप लगाया था कि असम हरूसरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के पास कई देशों के पासपोर्ट हैं और विदेश में अशोधित संपत्ति है।



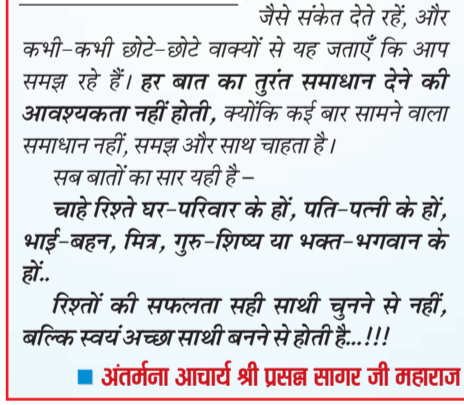
उत्तमना उवाच

जिंदगी की बैंक में जब प्रेम और अपनत्व का बैलेंस कम हो जाता है... तो मन की शांति और चेहरे की प्रसन्नता के चेक वाउचर होने लगते हैं...!

इसलिए रिश्तों में अपनी के साथ अपनापन बनाए रखें और प्रेम का मधुर स्वाद बाँटते रहें। क्योंकि रिश्ते निभाते समय मुकाबला नहीं किया जाता, उन्हें महसूस किया जाता है। आपने ध्यान दिया होगा - अक्सर महिलाओं की प्रवृत्ति अपनी परेशानियों को व्यक्त करके मन हल्का करने की होती है, जबकि पुरुष का मन समाधान खोजने में लग जाता है। इसलिए जब भी रिश्तों में अपनी की बात सुनें, तो सिर्फ ध्यान से सुनें, बीच-बीच में 'हाँ', 'हूँ' जैसे संकेत देते रहें, और कभी-कभी छोटे-छोटे वाक्यों से यह बताएँ कि आप समझ रहे हैं। हर बात का तुरंत समाधान देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि कई बार सामने वाला समाधान नहीं, समझ और साथ चाहता है।

सब बातों का सार यही है - चाहे रिश्ते घर-परिवार के हों, पति-पत्नी के हों, भाई-बहन, मित्र, गुरु-शिष्य या भक्त-भगवान के हों... रिश्तों की सफलता सही साथी चुनने से नहीं, बल्कि स्वयं अच्छे साथी बनने से होती है...!!!

■ अंतर्जना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज



उड़ता तीर

आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा भाजपा में...

राजस्थान। अंतर्जना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज की दीक्षा स्थली परतापुर, अंतर्जना यहां ससंध विराजमान है।

परतापुर जिला बांसवाड़ा, राजस्थान। अंतर्जना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज की दीक्षा स्थली परतापुर, अंतर्जना यहां ससंध विराजमान है।

सब बातों का सार यही है - चाहे रिश्ते घर-परिवार के हों, पति-पत्नी के हों, भाई-बहन, मित्र, गुरु-शिष्य या भक्त-भगवान के हों... रिश्तों की सफलता सही साथी चुनने से नहीं, बल्कि स्वयं अच्छे साथी बनने से होती है...!!!

■ अंतर्जना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

‘दीदी जाने वाली हैं, बीजेपी आने वाली है’ अमित शाह का दावा, पहले चरण की 152 सीटों में से 110 सीटें जीतेगी पार्टी

कोलकाता ■ एजेसी

पश्चिम बंगाल में पहले चरण की वोटिंग के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने जा रही है। कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमित शाह ने कहा कि 152 सीटों में से भाजपा 110 से अधिक सीटें जीतेगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि भाजपा की बंगाल टीम ने अपना आकलन किया है। इसके आधार पर वे कह सकते हैं कि 152 सीटों में से भाजपा के 110 से अधिक सीटें जीतने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि दूसरे चरण को भी ध्यान में रखते हुए भाजपा बंगाल में सरकार बनाने जा रही है।

बंगाल में रिकॉर्ड मतदान को लेकर अमित शाह ने कहा कि गुरुवार को बंगाल विधानसभा 2026 के चुनाव के प्रथम चरण में मतदान के सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए बंगाल की जनता ने अभूतपूर्व उत्साह और जोश के साथ बंगाल में परिवर्तन के लिए वोट डाला है। उन्होंने कहा, 'मतदान का जो प्रतिशत सामने आया है, वो पूरे देश के लोकतंत्र में भरोसा करने वाले लोगों का उत्साह बढ़ाने वाला है। मैं प्रथम चरण में वोट डालने वाले बंगाल के सभी मतदाताओं

का अभिनेंदन और धन्यवाद करना चाहता हूँ कि आपने भय से भरोसे की यात्रा को बहुत अच्छे से शुरू किया है और दूसरे चरण के मतदाता भी भय से भरोसे की यात्रा को आगे बढ़ाएंगे।'

बंगाल की जनता के नाम संदेश में अमित शाह ने कहा, 'देश का एक बहुत

बड़ा हिस्सा पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की यात्रा से जुड़ चुका है। आपका प्यार, आपका उत्साह और आपका भरोसा, पूरे प्रचार अभियान में नरेंद्र मोदी जी के लिए सामने से दिखाई दे रहा है। मैं मानता हूँ कि ये भरोसा वोट में परिवर्तित होकर

भाजपा की विजय कराएगा।'

अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'जिस राज्य में मुख्यमंत्री यह कहती हैं कि महिलाओं को शाम 7 बजे के बाद बाहर निकलने की कोई जरूरत नहीं है, वहाँ उन्हें सता में नहीं होना चाहिए। भाजपा की सरकार बनने के बाद, रात के 1 बजे भी एक युवा लड़की बेडिडक अपना स्कूटर चला पाएगी और किसी भी अपराधी की हिम्मत नहीं होगी कि वह उसे बुरी नजर से देखे।'

उन्होंने आगे कहा, 'एक प्रतीकात्मक कदम के तौर पर, आरजी

कार की पॉइंट की मां और संदेशवाली की पॉइंट को उम्मीदवार बनाया गया है। जिन लोगों ने टीएमसी-समर्थित गुंडों की हिंसा का सामना किया है, वे अब विधानसभा में बैठेंगे और ऐसे अपराधों के खिलाफ सख्त कानून बनाने में मदद करेंगे। आने वाले दिनों में बंगाल इसी तरह का बदलाव देखेगा।'

दूसरे चरण की वोटिंग से पहले अमित शाह ने मतदाताओं से कहा कि वे भयमुक्त होकर अपनी इच्छा से मतदान करें। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'मतदान में रैंगिंग न हो, इसकी बहुत अच्छी व्यवस्था चुनाव आयोग ने की है।

सीएम बोले- अब हर किसान बेच सकेगा अपनी उपज

मप्र में हफ्ते में 6 दिन होगी गेहूं खरीदी, 9 मई तक करा सकेगे स्लॉट बुकिंग

भोपाल ■ विप

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को प्रदेश के किसानों को संबोधित किया। उन्होंने गेहूं उपार्जन को लेकर बड़े फैसलों का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने गेहूं खरीदी का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया है। रिकॉर्ड उत्पादन को देखते हुए लिया गया यह फैसला छोटे, मध्यम और बड़े सभी किसानों को अपनी उपज बेचने का अवसर देगा। सीएम ने कहा कि अब गेहूं खरीदी सप्ताह में 6 दिन होगी और शनिवार को भी उपार्जन केंद्र खुले रहेंगे।

किसानों की सुविधा के लिए स्लॉट बुकिंग को अंतिम तारीख 30 अप्रैल से बढ़ाकर 9 मई कर दी गई है। प्रदेशभर के किसानों के लिए स्लॉट बुकिंग भी पूरी तरह खोल दी गई है, ताकि कोई भी किसान गेहूं बेचने से वंचित न रहे।

100 किलो की कैप हटाने पर भी विचार: सरकार स्लॉट बुकिंग की अधिकतम सीमा को हटाने पर भी विचार कर रही है। फिलहाल एक किसान एक बार में अधिकतम 100 क्विंटल गेहूं बेचने के लिए स्लॉट बुक कर सकता है, लेकिन कैप हटाने पर वह अपनी पूरी उपज एक ही बार में बेच

सकेगा। अभी उपार्जन को मात्रा जमीन और जिले की निर्धारित उत्पादकता के आधार पर तय होती है।

सीएम ने कहा, 'प्रदेश के विकास की नींव हमारे किसान हैं, इसलिए इस वर्ष को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में समर्पित किया गया है।'

अभी ये ही व्यवस्था: अभी गेहूं उपार्जन के लिए तय व्यवस्था के अनुसार सरकार पटवारी द्वारा सत्यापित जमीन के रिकॉर्ड के आधार पर एक 'क्विंटल प्रति हेक्टेयर' की सीमा तय की गई है। उदाहरण के लिए, अगर आपके जिले की उत्पादकता 40 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तय है। आपके पास 2 हेक्टेयर जमीन है, तो आप अधिकतम 80 क्विंटल गेहूं बेच पाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दुग्ध उत्पादन से जुड़ी गतिविधियां किसानों की आय बढ़ाने में प्रभावी रूप से सहायक है। किसानों की आय दोगुना करने के लिए किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार डेयरी गतिविधियों को विशेष रूप से प्रोत्साहित कर रही है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा प्रदेश के दुग्ध संघों को दिए जा रहे सहयोग से दुग्ध संकलन में वृद्धि हुई है और किसानों को भी दुग्ध के बेहतर दाम मिल रहे हैं। सहकार के भाव से डेयरी गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है।

आम आदमी पार्टी को जोर का सियासी झूटका लगा

आप के राघव समेत सात एमपी भाजपा के साथ



नई दिल्ली ■ एजेसी

राघव चड्ढा ने राज्य सभा सांसद संदीप पाठक और अशोक मिश्रल के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि हमने फैसला किया है कि हम, राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई सदस्य, भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करते हुए भाजपा में विलय कर लेंगे।

आम आदमी पार्टी (आप) को शुक्रवार जोर का सियासी झूटका लगा है। सांसद राघव चड्ढा, अशोक मिश्रल और संदीप पाठक एक साथ आप से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने का ऐलान किया है। इस मौके पर राघव चड्ढा ने दावा किया कि आप के उनके साथ सात सांसद भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इससे राज्य सभा में पूरी आप का भाजपा में विलय हो गया है। इसके बाद भाजपा के डीडीयू मार्ग स्थित राष्ट्रीय कार्यालय पहुंचे आप सांसदों का राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने आप सांसदों का स्वागत किया। उधर, आप सांसद संजय सिंह ने इसे ऑपरेशन लोटस करार दिया है। वहीं, संयोजक अरविंद केजरीवाल का आरोप है कि भाजपा ने पंजाबियों के साथ सात सांसद भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इससे राज्य सभा में पूरी आप का भाजपा में विलय हो गया है। इसके बाद भाजपा के डीडीयू मार्ग स्थित राष्ट्रीय कार्यालय पहुंचे आप सांसदों का राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने आप सांसदों का स्वागत किया। उधर, आप सांसद संजय सिंह ने इसे ऑपरेशन लोटस करार दिया है। वहीं, संयोजक अरविंद केजरीवाल का आरोप है कि भाजपा ने पंजाबियों के साथ सात सांसद भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इससे राज्य सभा में पूरी आप का भाजपा में विलय हो गया है। इसके बाद भाजपा के डीडीयू मार्ग स्थित राष्ट्रीय कार्यालय पहुंचे आप सांसदों का राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने आप सांसदों का स्वागत किया।

पीएम मोदी मप्र को देंगे 2 नई अमृत भारत की सौगात

भोपाल-इटारसी-जबलपुर-हरदा-खंडवा के लोगों को मिलेगा विशेष लाभ

भोपाल ■ विप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 28 अप्रैल को मध्य प्रदेश के रेल यात्रियों के लिए खुशियों की सौगात लेकर आ रहे हैं। पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश की अत्याधुनिक और किफायती 'अमृत भारत एक्सप्रेस' की दो नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। इनमें से एक ट्रेन बनारस से और दूसरी अयोध्या कैंट से संचालित होगी, जो मध्य प्रदेश के कई महत्वपूर्ण औद्योगिक और धार्मिक शहरों को सीधे उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से जोड़ेंगी।

पहला रूट अयोध्या कैंट से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बीच है, जो जबलपुर और इटारसी होकर गुजरेगा। यात्रा के

भोपाल-इटारसी को मिलेगी सीधा कनेक्टिविटी। दूसरा रूट बनारस से हड़पसर (पुणे) के बीच है। बनारस से शुरू होने वाली यह अमृत भारत एक्सप्रेस मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल और इटारसी को सीधा कनेक्टिविटी देगी। बनारस और प्रयागराज के रास्ते यह ट्रेन बीना, रानी कमलापति (भोपाल), नर्मदापुरम और इटारसी पहुंचेगी। इसके बाद यह हरदा, खंडवा और भुसावल होते हुए पुणे के हड़पसर स्टेशन तक जाएगी। यह ट्रेन खासतौर पर भोपाल और नर्मदापुरम के उन यात्रियों के लिए वरदान साबित होगी जो पुणे या बनारस को यात्रा करते हैं।

ईरानी विदेश मंत्री इस्लामाबाद के दौरे पर

वाशिंगटन। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची इस्लामाबाद के दौर पर रवाना हो गए हैं। वे वहां पहुंचकर पाकिस्तानी अधिकारियों से बातचीत करेंगे। यह बैठक अमेरिका और ईरान के बीच संभावित तर्कों को तैयारी के तौर पर देखी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस बातचीत में अमेरिका शामिल नहीं होगा। इससे पहले अराघची ने आज दोपहर पाकिस्तान के सेना प्रमुख असिम मुनोर और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार से अलग-अलग बातचीत की। इसमें अमेरिका और ईरान के बीच सीमाफापर बनाए रखने पर चर्चा हुई। पाकिस्तान इस पूरे मामले में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है और उसे उम्मीद है कि इस बैठक के बाद अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत का रास्ता खुल सकता है।

आरएसएस के सरकारवाह दत्तात्रेय होसबाले का बड़ा बयान

कहा- मुस्लिम समाज हमारे अपने, हिंदू ही थे इनके पूर्वज

वाशिंगटन ■ एजेसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकारवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारतीय मुसलमानों को लेकर बड़ी बात कही है। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में जब उनसे मुस्लिम समुदाय के प्रति संघ के दृष्टिकोण पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने बहुत ही बेबाकी से अपनी बात रखी। होसबाले ने कहा कि भारत के 99.99 फीसदी मुसलमानों के पूर्वज हिंदू ही थे और वे

'चालबाजियों से समुदाय के बीच पैदा हुआ तनाव' उन्होंने कहा कि कुछ विशेष प्रकार की चालबाजियों और राजनीतिक हितों के कारण समय-समय पर समुदायों के बीच तनाव पैदा हुए हैं। होसबाले का मानना है कि इन गलतफहमियों को दूर करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए मुस्लिम नेतृत्व के साथ एक निरंतर और व्यापक संवाद की आवश्यकता है।

जते। उन्होंने कहा, 'भारतीय मुसलमानों के पूर्वज भारतीय ही थे और वे हिंदू थे। इसलिए, भारत के लगभग सभी मुसलमान हिंदू मूल के ही वंशज हैं। हमारा यह मानना है कि वे हमारे

पहचान आज भी वही है जो सदियों पहले थी। संघ इसी विचार को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है।

आरएसएस के वरिष्ठ नेता ने जानकारी दी कि पिछले कुछ वर्षों से संघ ने इस दिशा में सक्रिय कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में आरएसएस ने मुस्लिम समुदाय के प्रमुखों और बौद्धिक नेतृत्व के साथ संवाद की प्रक्रिया शुरू की है।

आरएसएस के सरकारवाह दत्तात्रेय होसबाले का बड़ा बयान

कहा- मुस्लिम समाज हमारे अपने, हिंदू ही थे इनके पूर्वज

कांग्रेस का 25 घंटे का उपवास खत्म

पीसीसी चीफ ने जूस पिलाकर तुड़ाया अनशन, गेहूं खरीदी पर सरकार को घेरा

भोपाल। भोपाल में 25 घंटे तक चला कांग्रेस के सेनादल का उपवास खत्म हो गया, लेकिन गेहूं खरीदी को लेकर सियासत और तेज हो गई है। जीतू पटवारी ने सरकार पर किसानों के हितों की अनदेखी के आरोप लगाते हुए बड़ मुद्दा खड़ा कर दिया है। मध्य प्रदेश में गेहूं उपार्जन को लेकर सियासी माहौल गरमाता जा रहा है। राजधानी भोपाल में कांग्रेस के सेनादल कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा 25 घंटे का उपवास शुक्रवार को खत्म हुआ। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी खुद मौके पर पहुंचे और सेनादल के प्रदेश अध्यक्ष अनशील भार्गव समेत अन्य कार्यकर्ताओं को जूस पिलाकर अनशन तुड़ाया।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश के दुग्ध संग्रहण केंद्रों पर लगेगी स्मार्ट मशीनें

भोपाल। मध्य प्रदेश में दुग्ध संग्रहण व्यवस्था को पारदर्शी और हाईटेक बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। प्रदेश के करीब 7 हजार दुग्ध संग्रहण केंद्रों पर जल्द ऑटोमेटिक मिल्क कलेक्शन मशीनें लगाई जाएंगी, जिससे किसानों को सही गुणवत्ता और उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता वाला दुग्ध मिल सकेगा। मध्य प्रदेश में दुग्ध उत्पादकों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए राहत भरी पहल होने जा रही है। प्रदेश के करीब 7 हजार दुग्ध संग्रहण केंद्रों पर जल्द ही अत्याधुनिक ऑटोमेटिक मिल्क कलेक्शन मशीनें स्थापित की जाएगी। इन मशीनों के जरिए दुग्ध के वजन और गुणवत्ता की तुरंत जांच हो सकेगी, जिससे मिलावट और गड़बड़ी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद किसानों को उनके दुग्ध का सही मूल्य मिलेगा, वहीं उपभोक्ताओं तक बेहतर गुणवत्ता वाला दुग्ध पहुंचाने का दावा किया जा रहा है। अभी कई स्थानों पर दूध की जांच और वजन की प्रक्रिया मैनुअल होने के कारण विवाद और शिकायतें सामने आती रही हैं।

राजधानी में गर्मी शुरू होते ही जल संकट ने बढ़ाई परेशानी

भोपाल। भोपाल में गर्मी की शुरुआत के साथ ही पानी की किल्लत सामने आने लगी है। शहर के कई इलाकों में समय पर पानी नहीं मिल पा रहा, जिससे लोगों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। सबसे ज्यादा असर झुग्गी बस्तियों में देखने को मिल रहा है, जहां रोजमर्रा के काम के लिए भी पानी जुटाना मुश्किल हो गया है। नगर निगम की व्यवस्था भी कमजोर नजर आ रही है। कई इलाकों में पानी के टैंकर एक दिन छोड़कर पहुंच रहे हैं और उनके आने का कोई तय समय नहीं है। ऐसे में लोग सुबह से ही बर्तन लेकर लाइन में खड़े हो जाते हैं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी कई परिवारों को पूरा पानी नहीं मिल पाता। तेज गर्मी के बीच महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग दोहर में टैंकर का इंतजार करते दिखाई देते हैं। झुग्गी बस्तियों में हालात और खराब हैं, क्योंकि वहां पानी का कोई स्थायी इंतजाम नहीं है। कई जगह बौंग बंद पड़ी है, जिससे लोग पूरी तरह टैंकरों पर निर्भर हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि चुनाव के समय बंद-बंदे वादे किए जाते हैं, लेकिन बाद में समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जाता।

केशव सिंह बघेल कुक्कुट विकास निगम के अध्यक्ष बने

भोपाल। एमपी की सत्ता और बीजेपी के संगठन में लगातार नियुक्तियों का दौर चल रहा है। आज शुक्रवार को केशव सिंह बघेल को मध्यप्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम का अध्यक्ष नियुक्त किया है। ग्वालियर के बीजेपी के सीनियर लीडर महेंद्र सिंह यादव को अपेक्ष बेंक का चेयरमैन बनाने की खबर है। यादव का नियुक्ति आदेश जल्द जारी हो सकता है। केशव सिंह बघेल वर्तमान में ग्वालियर में जिला पंचायत सदस्य हैं। इससे पहले ग्वालियर ग्रामीण में भाजपा के जिला महासचिव रह चुके हैं। वहीं महेंद्र सिंह यादव पहले मप्र बीज विकास निगम के अध्यक्ष रह चुके हैं। गुरुवार को पूर्व विधायक केलाश जाटव को अनुसूचित जाति आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था। वहीं, अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष के तौर पर पूर्व विधायक रामलाल रौतेल की नियुक्ति की गई है।

गैस रिफिलिंग-कालाबाजारी करने वालों पर FIR होगी

भोपाल। भोपाल में गैस सिलेंडर की रिफिलिंग और कालाबाजारी के अलग-अलग मामलों में एफआईआर की तैयारी है। खाद्य विभाग ने विभिन्न थानों में केस दर्ज करने के लिए आवेदन दिए हैं। वहीं, एक गैस एजेंसी को सस्पेंड कर दिया गया। फूड कंट्रोलर चंद्रभानु सिंह जादौन ने बताया कि अप्रैल में टीमो ने निरीक्षण किया था। इस दौरान राजू मेवाड़ा निवासी बैरागढ़ वीथली को अवैध रूप से घरेलू गैस का भंडारण और रिफिलिंग करते पाया गया था। सतमान खान निवासी जहांगीरबाद पर घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी करने पर कार्रवाई की गई थी। श्याम सिंह को घरेलू गैस का अवैध परिवहन किया जाने के कारण अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के प्रावधानों का उल्लंघन होना पाया था। इस तिनो मामलों में थाने में केस दर्ज कराई जा रही है।

भोपाल जोन की सभी ब्रांचों के साथ बैरागढ़ बांच में जोनल इंचार्ज जी की हजुरी में सम्पन्न हुआ मानव एकता दिवस

करुणा प्रेम और सह-अस्तित्व का सजीव उत्सव - मानव एकता दिवस

जब हृदय में करुणा, प्रेम और एकत्व की दिव्य चेतना जागृत होती है, तब मानव अपने सीमित स्वार्थों से ऊपर उठकर सम्पूर्ण सृष्टि के कल्याण का सशक्त माध्यम बन जाता है। परोपकार, करुणा और परमार्थ जैसे अलौकिक मूल्यों से प्रकाशमान यह पावन अवसर उस दिव्य अनुभूति का प्रतीक बना, जहाँ 'मानव को मानव हो प्यार, एक-दूसरे का बने सहारा' का संदेश केवल शब्दों तक सीमित न रहकर हृदयों में जीवंत हुआ। 'मानव एकता दिवस' 24 अप्रैल को, बाबा गुरुबचन सिंह जी की दिव्य स्मृति में, सतगुरु माता सुदीक्षा जी



महाराज एवं निरंकारी राजपिता जी के सान्निध्य में दिल्ली के ग्राउंड नं. 8 के साथ ही समूचे देश की हजारों सत्संग एकता दिवस भोपाल जोन सभी ब्रांचों सहित बैरागढ़ बांच में जोनल

इंचार्ज श्री अशोक जुनेजा की हजुरी में सम्पन्न हुआ। इस दौरान बैरागढ़ बांच संयोजक श्री महेश वीथानी, संचालक श्री अशोक नाथानी, सभी सेवादायक के भाई-बहनों सहित बड़ी संख्या में साथ संगत उपस्थित थे। यह पावन दिवस बाबा गुरुबचन सिंह जी एवं चाचा प्रताप सिंह जी की दिव्य स्मृति को समर्पित है, जिनका सम्पूर्ण जीवन त्याग, समर्पण और निःस्वार्थ सेवा की अद्वितीय मिसाल रहा है। उन्होंने अपने आचरण और विचारों के माध्यम से मानवता को प्रेम, विनम्रता और परोपकार का सच्चा मार्ग दिखाया। उनके दिव्य आदर्श आज भी प्रत्येक हृदय में सेवा,

भक्ति और एकत्व की ज्योति प्रज्वलित करते हैं, और मानव मात्र को यह प्रेरणा देते हैं कि सच्ची साधना केवल शब्दों में नहीं, बल्कि निस्वार्थ सेवा, करुणा और आपसी भाईचारे के भाव में निहित है। सत निरंकारी मण्डल के सचिव आदरणीय श्री जोगिन्द्र सुखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि समूचे भारतवर्ष के लगभग 200 स्थानों पर रक्तदान शिविरों का सफल आयोजन किया गया; जिससे लगभग 40,000 यूनिट रक्त संकलित किया गया, जो निष्काम सेवा, परोपकार और मानवता के प्रति समर्पण की जीवंत अभिव्यक्ति बनकर उभरा। युवाप्रवर्तक बाबा गुरुबचन सिंह जी की स्मृति में यह मानव एकता दिवस वर्षभर चलने वाली सेवा-स्रिता का शुभारंभ है, जिसके अंतर्गत देशभर में लगभग 705 स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे, जो करुणा और एकत्व की भावना को निरंतर सुदृढ़ करेंगे। उल्लेखनीय है कि रक्तदान की यह पावन परंपरा पिछले चार दशकों से निरंतर जारी है। अब तक 9,174 रक्तदान शिविरों के माध्यम से लगभग 15,00,230 यूनिट रक्त संकलित किया जा चुका है, जो मानव सेवा के प्रति निरंकारी मिशन की अटूट प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है।

मैं अखबारों के अंदर रह मिलें। जिसमें पार्षद के 3 महीने से लापता होने की बात लिखी गई थी। इनाम की घोषणा के साथ पार्षद की अनुपस्थिति में मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य कई फर्जी दस्तावेज बनाए जाने की बात भी लिखी गई। बेटा सुशांत नीदरलैंड में सांफ्टवेयर इंजीनियर हैं। वह बहू के साथ वहीं रहता है। कुछ दिन पहले ही पोते का जन्म हुआ है। इसलिए पत्नी फरवरी में बेटा-बहू के पास नीदरलैंड गई थीं। मार्च में ही वापस आना था, लेकिन ईरान-अमेरिका युद्ध की वजह से फ्लाइट डी-रोड्यूल्ड कराना पड़ी।

फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

बिना नंबर की बाइक से आये नकाबपोश बदमाशों ने गोली चलाकर फैलाई दहशत

हाई सिक्वोरिटी जोन इलाके में 15 दिन में दूसरी बड़ी वारदात

शहर के श्यामलाहिल्स थाना इलाके में बुधवार देर रात बिना नंबर की बाइक से आये अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने एक युवक के घर के बाहर हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाते हुए फरार हो गये। बताया गया है कि बदमाशों ने पहले युवक के घर जाकर उसका नाम लेकर चिल्लाचोट की और कुछ देर बाद दो राउंड हवाई फायरिंग कर भाग गये। जिस



युवक का नाम लेकर फायरिंग की गई थी। उसका एक बदमाश से कुछ दिनों से विवाद चल रहा था, वारदात से कुछ देर पहले ही वह बदमाश और युवक श्यामलाहिल्स थाने से समझौता करके निकले थे। पीड़ित युवक ने उसी बदमाश

पर फायरिंग करने या अपने किसी गुर्गे से करवाने का संदेह बताया है। पुलिस को मौके से चली हुई गोली एक खोल बरामद हुआ है। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार श्यामलाहिल्स थाना क्षेत्र में रहने वाला राजकुमार राजपूत प्राईवेट नौकरी करता है। राजकुमार की मां शारदा बाई राजपूत पति स्वर्गीय दर्याम राजपूत (55) किलोल पार्क के पास पेट्रोल पंप की पीछे की बस्ती में रहती है, हालांकि लगभग चार साल से राजकुमार अपनी मां से

अलग रह रहा है। कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाले आकाश बाथम से किसी बात को लेकर राजकुमार का कुछ दिनों पहले विवाद हो गया था। इसके बाद आकाश और उसके साथी राजकुमार को तलाशते हुए उसकी मां के घर भी जा रहे थे। इसकी शिकायत शारदा बाई ने श्यामलाहिल्स थाने में की जिसके बाद थाना पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने तलब किया। बुधवार रात करीब साढ़े दस बजे तक आकाश और राजकुमार थाने में ही मौजूद रहे और एक दूसरे से समझौता किया। थाने से निकलकर राजकुमार अपने घर पहुंचा, कुछ देर बाद ही उसके घर के बाहर बाईक सवार बदमाश आये और उसका नाम

लेकर हवाई फायर कर दिए। गोली चलने की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस को घर के बाहर से गोली का एक खोखा मिला है। पुलिस का कहना है कि खनबीन के दौरान सीसीटीवी कैमरे में बिना नंबर की बाइक पर आये दो नकाबपोश बदमाशों के फुटेज मिले हैं, जिसके आधार पर पुलिस टीम उनको तलाश में जुटी है। गोलीकांड का घटनास्थल सीएम हाउस के नजदीक है। और इस हाई सिक्वोरिटी जोन वाले इलाके में 15 दिन के भीतर यह दूसरी गंभीर वारदात हुई है। इससे पहले 10 अप्रैल को डाक्टर मनोज वर्मा से लुटपाट की घटना हुई थी।

पुराने परिसीमन पर ही होंगे निकाय और पंचायत चुनाव !
नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव की तैयारी शुरू,
फोटोयुक्त मतदाता सूची का हो रहा पुनरीक्षण

मप्र में 2027 में होने वाले नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकायों और त्रिस्तरीय पंचायतों की फोटो युक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। एक जनवरी 2026 को संदर्भ तारीख मानकर यह पुनरीक्षण किया जाएगा। यह इस बात का संकेत है कि राज्य निर्वाचन आयोग इन चुनावों के लिए परिसीमन नहीं कराएगा। यानी आगामी नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव पुराने परिसीमन (वर्ष 2022) पर ही होंगे।



प्रदेश में नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव जून, 2027 में प्रस्तावित है। मप्र राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव की प्रारंभिक तैयारियां शुरू कर दी हैं। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक प्रदेश में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव पुराने परिसीमन के आधार पर कराए जाएंगे। इसकी वजह यह है कि देश में जनगणना के चलते मत 31 दिसंबर की मध्य रात्रि से प्रशासनिक सीमाएं फ्रीज कर दी गई हैं। अब जनगणना पूरी होने तक नए जिले, तहसील का गठन और किसी तरह का सीमा परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा। जनगणना दो वर्षों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में चरी की लिस्टिंग और आवास गणना अप्रैल से सितंबर, के बीच होगी। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना फरवरी, 2027 में की जाएगी।

अंत में, फोटो युक्त अंतिम मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 18 जून को होगा। यह पुनरीक्षण कार्यक्रम मतदाता सूची को अपडेट और शुद्ध रखने के लिए महत्वपूर्ण है। इसमें नए मतदाताओं का नाम जुड़ना, पुराने नाम हटाना, नाम, पते, फोटो में सुधार जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने सभी संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

नए आयोग का गठन उठे बस्ते में: राज्य निर्वाचन आयोग ने अगले साल होने वाले चुनाव से पहले नगरीय निकायों और पंचायतों की सीमाओं का नए सिरे से परिसीमन करने का निर्णय लिया था। राज्य निर्वाचन आयोग ने जुलाई, 2025 में राज्य शासन को एक प्रस्ताव भेजा था।

प्रस्ताव में नगरीय निकायों एवं पंचायतों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण के लिए नए परिसीमन आयोग के गठन की सिफारिश की गई थी। राज्य निर्वाचन आयोग को उम्मीद थी कि सरकार जल्द आयोग का गठन कर देगी, जिससे प्रशासनिक इकाइयों फ्रीज होने से पूर्व नगरीय निकायों और पंचायतों के परिसीमन का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। सरकार को प्रस्ताव भेजने के नौ महीने बीतने के बाद भी परिसीमन आयोग के गठन के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। नए परिसीमन आयोग के गठन संबंधी प्रस्ताव मंत्रालय में धूल खा रही है। इस बीच गत 31 दिसंबर को मध्य रात्रि से प्रशासनिक इकाइयों फ्रीज हो चुकी हैं, इस कारण

जनगणना का कार्य पूरा होने तक नगरीय निकायों और पंचायतों के परिसीमन का कार्य नहीं किया जा सकेगा। बता दें कि इससे पूर्व प्रदेश में जुलाई-अगस्त, 2022 में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव कराए गए थे। परिसीमन इसलिए जरूरी, यह होता अस्सर: राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों का कहना है कि पंचायतों और नगरीय निकायों में हर पांच वर्ष में चुनाव होना अनिवार्य है। राज्य निर्वाचन आयोग को चुनाव कराने से पहले परिसीमन पूरा करना होता है, ताकि प्रत्येक इकाई संविधान द्वारा निर्धारित मानकों, जैसे-आबादी, मतदान अधिकार आदि को पूरा करे।

एम्स भोपाल की बड़ी उपलब्धि
अलग ब्लड ग्रुप के बीच पहली बार सफल किडनी ट्रांसप्लांट

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल ने चिकित्सा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार एबीओ-इनकम्पैटिबल किडनी ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक कर दिखाया है। इस जटिल प्रक्रिया में अलग-अलग ब्लड ग्रुप के बावजूद पिता ने अपने बेटे को किडनी दान कर नई जिंदगी दी। इस सफलता के बाद अब ऐसे मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी, जिन्हें ब्लड ग्रुप मैच न होने के कारण ट्रांसप्लांट में दिक्कत आती थी। यह तकनीक न सिर्फ डोनर की उपलब्धता बढ़ाएगी, बल्कि मरीजों का इंतजार भी कम करेगी। इस ट्रांसप्लांट में 47 वर्षीय पिता (एबी पाॉजिटिव) ने अपने 22 वर्षीय पुत्र (ए पाॉजिटिव) को किडनी डोनेट की। सामान्य तौर पर अलग ब्लड ग्रुप होने पर शरीर नई किडनी को स्वीकार नहीं करता, लेकिन आधुनिक तकनीकों और विशेष



इलाज पद्धति से इस जोखिम को काफी हद तक कम किया गया। पहली बार हुआ ऐसा जटिल ट्रांसप्लांट: एम्स भोपाल में यह पहली बार हुआ है जब एबीओ-इनकम्पैटिबल यानी अलग ब्लड ग्रुप के बीच किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। यह उपलब्धि उन मरीजों के लिए बड़ी राहत है, जिन्हें परिवार में मैचिंग पिता नहीं मिल पाता। विशेषज्ञों के मुताबिक, भारत में इस तरह के ट्रांसप्लांट कुल जीवित डोनर किडनी

प्रत्यारोपण का केवल 5 से 10 प्रतिशत ही होते हैं। यह प्रक्रिया तकनीकी रूप से बेहद जटिल और संसाधनों की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण होती है। यह सफलता एम्स भोपाल में किया गया 20वां किडनी ट्रांसप्लांट भी है, जो संस्थान की बढ़ती चिकित्सा क्षमता और विशेषज्ञता को दर्शाता है। इस ऑपरेशन को नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, एनेस्थीसिया, ट्रांसप्लान्ट मेडिसिन समेत कई विभागों की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया।

हिंदू उत्सव समिति ने परमाली फैक्ट्री पर किया प्रदर्शन

एक और निजी कंपनी में धार्मिक प्रतीकों पर प्रतिबंध को लेकर मचा बवाल

कर्मचारियों के समर्थन में तिलक लगायाकलावा बांधा, एफआईआर की मांग

एम्पी नगर इलाके के मैदा मील पर स्थित परमाली फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारियों पर बिंदी, तिलक और सिंदूर लगाने पर प्रतिबंध लगाने को लेकर हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने अपने समर्थकों के साथ फैक्ट्री फैक्ट्री पहुंचे। वहां उन्होंने कर्मचारियों के समर्थन में तिलक लगाया और कलावा बांधा। इससे पहले समिति के कार्यकर्ता बीडीए कार्यालय पर एकत्रित हुए और प्रदर्शन करते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की। समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने आरोप लगाया कि कंपनी ने नोटिस जारी कर कर्मचारियों के तिलक, बिंदी, मंगलसूत्र जैसे अन्य धार्मिक प्रतीक पहनकर आने पर प्रतिबंध लगाने का



निर्देश जारी किया है। उन्होंने इसे धार्मिक आस्था और परंपराओं पर आघात बताते हुए कहा कि इसे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा। एक कर्मचारी ने दावा किया कि जब वह कलावा और तिलक लगाकर फैक्ट्री पहुंचा, तो उसे बाहर कर दिया गया। इससे कर्मचारियों में नाराजगी का माहौल है। विवाद बढ़ता देख फैक्ट्री मैनेजर ने कहा कि यह स्कूलर कंपनी की ओर से जारी किया गया था। उनका

भाजपा पार्षद के लापता होने के बंटे पम्पलेट

जो बताएगा उसे 5000 दैंगे, परिजन बोले-थाने में शिकायत करेंगे

भोपाल में एक भाजपा की महिला पार्षद के लापता होने के पम्पलेट्स बंट रहे हैं। वार्ड-61 की पार्षद मधु शिवनानी की तस्वीर लगे पम्पलेट्स में लिखा कि जो भी पार्षद की जानकारी देगा, उसे 5 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। ये पम्पलेट्स किसने बंटवाए, इसका खुलासा नहीं हो सका है। मधु शिवनानी पहली बार की पार्षद हैं और उनके पति संजय शिवनानी संगठन में मंडल महासचिव हैं। वार्ड-61 में अवधपुरी जैसा बड़ा इलाका शामिल है। शुक्रवार सुबह पार्षद की तस्वीर लगे पम्पलेट्स बाई

में अखबारों के अंदर रह मिलें। जिसमें पार्षद के 3 महीने से लापता होने की बात लिखी गई थी। इनाम की घोषणा के साथ पार्षद की अनुपस्थिति में मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य कई फर्जी दस्तावेज बनाए जाने की बात भी लिखी गई। बेटा सुशांत नीदरलैंड में सांफ्टवेयर इंजीनियर हैं। वह बहू के साथ वहीं रहता है। कुछ दिन पहले ही पोते का जन्म हुआ है। इसलिए पत्नी फरवरी में बेटा-बहू के पास नीदरलैंड गई थीं। मार्च में ही वापस आना था, लेकिन ईरान-अमेरिका युद्ध की वजह से फ्लाइट डी-रोड्यूल्ड कराना पड़ी।

गवालियर में बैड-बाजों और भजनों के साथ निकली कलश यात्रा सैकड़ों श्रद्धालु हुए शामिल; 29 अप्रैल तक द्वारिकाधीश मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा

गवालियर ■ तिलक

गवालियर के उपनगर मुरार स्थित गेरुवाला बंगला से आज श्रीमद् भागवत कथा के लिए भव्य कलश यात्रा निकली गई। इसमें 400 से 500 लोग बैड-बाजों के साथ शामिल हुए। भजनों की धुन पर नाचते-गाते करीब एक सैकड़ महिलाएं सिर पर कलश रखकर आगे चल रही थीं।

कलश यात्रा दोपहर 12 बजे गेरुवाला बंगला से शुरू होकर थाटोपुर स्थित द्वारिकाधीश मंदिर पहुंची। यहां आज से 29 अप्रैल तक आचार्य पंडित भानू कृष्ण शास्त्री संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का वाचन करेंगे। कथा के परीक्षित पंडित रामेश्वर दयाल



शर्मा और उनकी धर्मपत्नी विमलेखा देवी शर्मा हैं। मीडिया प्रभारी विवेक शर्मा ने बताया कि श्रीधाम वृंदावन से आए

कथा व्यास आचार्य पंडित भानू कृष्ण शास्त्री के मार्गदर्शन में कलश यात्रा निकली गई। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जिनमें पीले

वस्त्र धारण किए महिलाएं विशेष आकर्षण रहीं। जगह-जगह हुआ स्वागत: कलश यात्रा जैसे ही मुरार के विभिन्न

सात दिन चलेगी संगीतमय कथा

थाटोपुर के द्वारिकाधीश मंदिर में 29 अप्रैल तक प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन होगा। कथा वाचन आचार्य पंडित भानू कृष्ण शास्त्री द्वारा किया जाएगा, जबकि पाठकर्ता पंडित संतोष व्यास रहेंगे।

चौक-चौराहों से गुजरते, लोगों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। यात्रा में बगमी और बैड-बाजे शामिल रहे। महिलाएं सिर पर कलश धारण कर चल रही थीं, जबकि पुरुष भजनों पर धिरकते हुए आगे बढ़ रहे थे। आयोजकों ने ट्रैफिक व्यवस्था का भी ध्यान रखा, जिससे कहीं जाम की स्थिति नहीं बनी।

गैस लीकेज से धमाका, रिटायर्ड इंजीनियर की मौत आग में जलकर चमड़ियां उधड़ीं, पत्नी भी झुलसी, खिड़कियां-दरवाजे टूटे, दीवारों में दरारें

ह्यावर ■ तिलक

मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में गैस लीकेज से जोरदार धमाका हुआ। हादसे में व्यावृत्त की शिवधाम कॉलोनी निवासी 85 वर्षीय रिटायर्ड इंजीनियर सुरेश सिंह भल्ला की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी पद्मावती भल्ला गंभीर रूप से झुलस गईं। अस्पताल में इलाज जारी है।

जानकारी के मुताबिक, घटना सुबह करीब 6 बजे हुई, जब रसोई में चूल्हा जलाने की कोशिश की जा रही थी। घर में लगे गैस सिलेंडर से रातभर धीमी गति से गैस रिसती रही। बंद कमरे में गैस भरती गई, लेकिन परिवार को

इसकी भनक नहीं लगी।

लपटों से शरीर की चमड़ियां उधड़ गईं: सुबह सुरेश सिंह भल्ला रसोई में पहुंचे। चूल्हा जलाने ही कमरे में जमा गैस ने जोरदार विस्फोट कर दिया। धमाका इतना तेज था कि वह आग की लपटों में धिरकर गंभीर रूप से झुलस गए। लपटों से उनके शरीर की चमड़ियां उधड़ गईं। धमाका इतना तेज था कि घर के खिड़की-दरवाजे टूट गए और दीवारों में दरारें पड़ गईं। आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। पड़ोसियों ने आग बुझाने और घायलों को बाहर निकालने में मदद की।

अस्पताल ले जाते वक्त तोड़ा

दम, पत्नी का इलाज जारी: हादसे में सुरेश सिंह भल्ला करीब 80% तक झुलस गए थे। उन्हें तुरंत व्यावृत्त के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत में भोपाल रेफर किया गया। हालांकि रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

13 साल से व्यावृत्त में रह रहा था दंपती, कोई संतान नहीं: उनकी पत्नी पद्मावती भल्ला भी झुलसी हैं और उनका इलाज जारी है। मूल रूप से हरियाणा के पानीपत निवासी यह दंपती करीब 13 साल से व्यावृत्त में रह रहा था।

जबलपुर हाईकोर्ट से 30 हजार नर्सिंग छात्रों को झटका कोर्ट का आदेश- बिना अनुमति नहीं होंगी परीक्षाएं; 28 अप्रैल से आयोजित थी परीक्षाएं

जबलपुर ■ तिलक

मध्य प्रदेश के नर्सिंग कॉलेज मान्यता फर्जीबाड़े मामले में शुक्रवार को सुनवाई हुई। एमपी हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक अग्रवाल एवं जस्टिस अविनेंद्र कुमार सिंह की युगलपीठ ने कहा कि बिना हाईकोर्ट की अनुमति के परीक्षाएं नहीं होंगी।

आगामी परीक्षाओं के लिए नर्सिंग कार्डसिल को अनुमति लेनी होगी। साथ ही अपात्र कॉलेजों के छात्रों को पात्र कॉलेजों में ट्रांसफर किए जाएं। बता दें, 28 अप्रैल से परीक्षाएं आयोजित की गई थीं। इससे पहले हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने जांच की तो पाया कि 800 में से 600 कॉलेज अपात्र थे। कोर्ट का यह फैसला प्रदेश के 30 हजार से ज्यादा नर्सिंग छात्रों के लिए झटका है।

परीक्षाओं के लिए हाईकोर्ट की अनुमति जरूरी: लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन की जनहित याचिका में मध्य प्रदेश में 2020-21 में खुले सैकड़ों फर्जी नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया को चुनौती दी गई थी। जिसमें बताया गया कि हाईकोर्ट की सख्ती के बाद हुई सीबीआई जांच में लगभग 800 नर्सिंग कॉलेजों में से करीब 600 कॉलेज अनुपयुक्त या कर्मियों से भरपूर पाए गए थे। इन संस्थाओं में भवन, लैब, लाइब्रेरी,

अगली सुनवाई 28 अप्रैल को होगी हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई के बाद एमपीएमएनसी की अडवोकेट रिचार्जित पर लेकर आदेश दिए हैं कि हाईकोर्ट की अनुमति के बिना कोई भी परीक्षाओं का आयोजन नहीं होगा, मामले की सुनवाई पुनः 28 अप्रैल को चैफ जस्टिस की अग्रुआई वाली युगलपीठ में होगी, अब नर्सिंग कॉलेजों की प्रस्तावित परीक्षाओं के लिए एमपी नर्सिंग काउंसिल को आवेदन पेश कर हाईकोर्ट से अनुमति लेनी होगी, इसी आधार नर्सिंग कॉलेजों की परीक्षाओं पर निर्णय होगा।

अनुभवो शिक्षक और 100 बिस्तरों वाले अस्पताल जैसी अनिवार्य सुविधाओं की भारी कमी पाई गई थी। कई कॉलेज केवल कागजों पर चल रहे थे और कई प्रिंसिपल और शिक्षक 15-15 कॉलेजों में एक साथ कार्यरत दर्शाए गए थे।

ट्रेन के इंजन से डीजल चुराने वाले पकड़ाए

जबलपुर ■ तिलक

अभी तक चोर ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों के समानों को निशाना बन रहे थे। हद तब हो गई जब इन्होंने सीधे-सीधे इंजन को ही टारगेट कर लिया। जबलपुर में 2 दिन पहले शहपुरा, भिटीनी रेलवे स्टेशन के पास खड़े लोको से डीजल चोरी हो गया था। मामले की शिकायत मिलने पर जबलपुर

अप्राप्त को सूटबल कॉलेज में करना था ट्रांसफर

मामले में याचिकाकर्ता एसोसिएशन ने आवेदन पेश कर आरोप लगाया था कि छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले कागजी/अमानक कॉलेजों में जीएनएम कोर्स संचालित करने वाले जो 117 नर्सिंग कॉलेज सीबीआई जांच में अपात्र पाए गए थे। अब एमपी नर्सिंग काउंसिल उनके छात्रों को सूटबल कॉलेजों में ट्रांसफर करने के स्थान पर उन कॉलेजों की अंतिम वर्ष की परीक्षाएं ले रहा है, जो 28 अप्रैल से प्रस्तावित है।

जबलपुर में 5 आरोपियों से 200 लीटर डीजल बरामद; लोको से निकालकर बेचा था

आरपीएफ की टीम ने गुरुवार रात को 5 चोरों को पकड़ा है। इन्होंने थार्ड में खड़े लोको से करीब 200 लीटर डीजल चोरी किया था। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी राजीव खरब ने बताया कि 20 से 23 अप्रैल के बीच भिटीनी रेलवे स्टेशन के ए एंड डी साइडिंग पर खड़े डीजल लोको (12510) से अज्ञात लोगों ने डीजल चोरी किया है। मुखबिरों को शहपुरा और आसपास के इलाकों में पता करने के लिए लगाया। पता चला कि पाटन के पास एक कार में कुछ लोगों ने डीजल से भरे डिब्बे लेकर चूर रहे थे। आरपीएफ की टीम अलर्ट हुई और 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये भिटीनी और पाटन के रहने वाले हैं। आरोपियों के पास से मौके से 45 लीटर डीजल बरामद किया है।

ब्रेकडाउन में खंडवा को अतिशीघ्र विद्युत आपूर्ति रिस्टोर कराने वाले एम पी ट्रांसको के अर्जुन कारले एवं आउटसोर्स कर्मि शिवपाल निकुम पुरस्कृत

खंडवा ■ तिलक

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) खंडवा में पदस्थ ट्रांसमिशन लाइन मरिटेनेंस स्टाफ अर्जुन कारले एवं आउटसोर्स कर्मि शिवपाल निकुम को उनके उत्कृष्ट एवं असाधारण कार्य निष्पादन के लिए मुख्यालय जबलपुर में सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। उल्लेखनीय है कि दोषावली के दिन 220 केवी लाइन स्टाफ कि हाईकोर्ट की सख्ती के बाद हुई सीबीआई जांच में लगभग 800 नर्सिंग कॉलेजों में से करीब 600 कॉलेज अनुपयुक्त या कर्मियों से भरपूर पाए गए थे। इन संस्थाओं में भवन, लैब, लाइब्रेरी,



तत्परता और दक्षता का परिचय देते हुए फेल हुई डिस्क इंस्पेक्टर को मात्र 1 घंटे 26 मिनट में बदलकर ब्रेकडाउन को शीघ्रता से दुरुस्त किया। दोनों के इस उल्लेखनीय प्रयास से लाइन को न्यूनतम संभव समय में पुनः ऊर्जाकृत किया जा सका और खंडवा क्षेत्र में दीपावली के दौरान विद्युत आपूर्ति निर्बाध बनी रही। उनके इस सहायनी एवं उल्लेखनीय कार्य के लिए मुख्यालय जबलपुर में आयोजित एक विशेष समारोह में सेवानिवृत्त मुख्य

विश्व मलेरिया दिवस पर डैंगु एवं मलेरिया नियंत्रण के लिए मेरूदा में बैठक आयोजित

सोहोर ■ तिलक

विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर डैंगु प्रभावित क्षेत्रों में रोकथाम और नियंत्रण के प्रयासों को गति देने के लिए मेरूदा सिविल अस्पताल में बैठक आयोजित की गई। बैठक में डैंगु प्रभावित ग्राम पंचायतों के सरपंच और सचिव शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में डैंगु की रोकथाम करना और स्वच्छता अभियान को प्रभावी बनाना था। बैठक के दौरान मच्छर जनित रोगों पर नियंत्रण, स्वच्छता अभियान सहित अनेक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती क्षमा बर्वे ने तकनीकी बारीकियों को साझा करते हुए बताया कि डैंगु के मच्छर साफ पानी में पनपते हैं, इसलिए घरों के आसपास पानी इकट्ठा न होने दें। सरपंच और सचिव अपने स्तर पर ग्रामीणों को 'हर रिवर-डैंगु पर चर' जैसे जागरूकता अभियानों से जोड़ें।

नेशनल लोक अदालत के संबंध में बैठक एवं जागरूकता शिविर आयोजित

सोहोर ■ तिलक

प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष संजीव कुमार अग्रवाल के निदेशानुसार आगामी 09 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के संबंध में जिला न्यायालय स्थित जिला अधिभाषक संघ सभागृह में बैठक एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश संजीव कुमार अग्रवाल द्वारा आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के संबंध में चर्चा की गई और प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि नेशनल लोक अदालत एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें अधिकारियों का अहम योगदान रहता है, क्योंकि पक्षकार अपने अधिकारों का बतौर पर अधिक विश्वास करता है। नेशनल लोक अदालत में त्वरित निराकरण से पक्षकारों का विश्वास बढ़ता है। सभी को लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण का विकल्प



अपनाना चाहिए एवं पक्षकारों को लाभांशित करना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश कृत्य न्यायालय श्री वैभव मंडलोई ने कहा कि नेशनल लोक अदालत एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें प्रकरणों को अंतिम नहीं होती है और इसमें पक्षकार के विवाद का हमेशा के लिए अंत हो जाता है। इसके माध्यम से कई परिवार बर्बाद होने से बच जाते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह द्वारा नेशनल लोक अदालत के बारे में

विस्तार से जानकारी देते हुये अधिक से अधिक पक्षकारों विशेष रूप से वंचित एवं जरूरतमंद वर्ग तक इसका लाभ पहुंचाने का आह्वान किया गया। साथ ही नेशनल लोक अदालत में विद्युत प्रकरणों एवं जलकर, सम्पत्तिकर के प्रकरणों में घोषित छूट एवं नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य ट्रेडिफक चालान एवं राजस्व प्रकरणों के रखे जाने के बारे में जानकारी देते हुये सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह द्वारा नेशनल लोक अदालत के बारे में

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के तहत आयोजित शिविर में हुई स्वास्थ्य जांच बालिकाओं और महिलाओं के रक्त में पर्याप्त हीमोग्लोबिन आवश्यक - डॉ मंडलोई

कन्या महाविद्यालय के शिविर में 142 का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

खंडवा ■ तिलक

बालिकाओं और महिलाओं के रक्त में पर्याप्त हीमोग्लोबिन होना आवश्यक है, हीमोग्लोबिन को कमी कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनती है इसलिए समय समय पर हीमोग्लोबिन की जांच अवश्य करवाना चाहिए, ये बात डॉ सीमा मंडलोई ने बुधवार को नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर में प्राचार्य डॉ विनय जैन के अनुसार मध्य प्रदेश शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय



खंडवा की युवा रेडक्रॉस इकाई द्वारा आयोजित किया गया था। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विनय जैन के अनुसार मध्य प्रदेश शासकीय जिला चिकित्सालय खंडवा के

चिकित्सकीय दल द्वारा महाविद्यालय की छात्राओं, समस्त प्राध्यापकों और कार्यालयीन कर्मचारियों को हीमोग्लोबिन रक्तचाप और मधुमेह सहित अन्य जांच की गई।

स्वास्थ्य विभाग के दल में डॉ संजय वास्करले डॉक्टर निधि पटेल, श्रीमती कविता पवार, कृष्णा गौरव, जहदिर खान, श्रीमती किरण कहार, श्रीमती लीला पाटिल, ने श्रीमती कुलसुम खान श्रीमती सीमा बदानीकर श्री सालिकराम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। शिविर में महाविद्यालय के 52 सदस्यों ने और 90 छात्राओं ने अपने स्वास्थ्य संबंधी जांच करवाई और परीक्षण के परचाट उपचार हेतु आवश्यक दवाई गोली भी निशुल्क प्राप्त की। इस जांच का उद्देश्य छात्राओं की स्वास्थ्य की जानकारी उपलब्ध

करवाना एवं एनीमिया सिकल सेल जैसी गंभीर समस्याओं के प्रति जागरूक कराना है। महाविद्यालय की रेड क्रॉस समिति के संयोजक और हिंदी विभाग अध्यक्ष डॉक्टर सीमा मंडलोई ने डॉ रीम कोशल जिला एवं स्वास्थ्य प्रभारी अधिकारी के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

जिन्होंने अपनी स्वास्थ्य विभाग की टीम को महाविद्यालय में सेवा देने के लिए भेजा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रभारी प्रो. अरती दुबे और स्वयं सेविकाओं ने भी विशेष योगदान दिया। युवा रेड क्रॉस समिति के सदस्यों में डॉक्टर प्रियंका शेंडे एवं डॉ प्रीति चौरा ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका शेंडे ने किया और सफल आयोजन में श्री पवन एवं श्री सुनील का भी सहयोग रहा।

घर के दरवाजे पर कपड़ों की पोटली रख लुगाई आग

घर में धुआं उठते देख परिवार के लोग जागे

सागर ■ तिलक

सागर के कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित शीतला मंदिर के पास रानीपुरा में एक मकान के दरवाजे पर कपड़ों की पोटली रखकर बदमाशों ने आग लगा दी। आग लगने से धुआं उठा, धुआं उठते देख परिवार के लोग जागे। उन्होंने दरवाजा खोला तो आग लगी थी। तत्काल पानी डालकर आग को बुझाया गया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। जानकारी के अनुसार, रानीपुरा में हेमंत रैकवार के मकान के दरवाजे पर अज्ञात बदमाश

ने कपड़ों की पोटली रखी। उसमें आग लगा दी। आग लगने से घर का दरवाजा जल गया। घटना गुरुवार रात करीब 3 बजे की है। घटना के समय परिवार को सो रहा था। आग का धुआं उठा तो परिवार के लोग जागे। समय रहते परिवार के सदस्यों ने आग बुझा ली। क्योंकि जहां आग लगी थी।

धुआं उठते देख परिवार के लोग जागे। उन्होंने दरवाजा खोला तो आग लगी थी। तत्काल पानी डालकर आग को बुझाया गया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। जानकारी के अनुसार, रानीपुरा में हेमंत रैकवार के मकान के दरवाजे पर अज्ञात बदमाश

ने कपड़ों की पोटली रखी। उसमें आग लगा दी। आग लगने से घर का दरवाजा जल गया। घटना गुरुवार रात करीब 3 बजे की है। घटना के समय परिवार को सो रहा था। आग का धुआं उठा तो परिवार के लोग जागे। समय रहते परिवार के सदस्यों ने आग बुझा ली। क्योंकि जहां आग लगी थी। धुआं उठते देख परिवार के लोग जागे। उन्होंने दरवाजा खोला तो आग लगी थी। तत्काल पानी डालकर आग को बुझाया गया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। जानकारी के अनुसार, रानीपुरा में हेमंत रैकवार के मकान के दरवाजे पर अज्ञात बदमाश

अनमोल वचन

6 जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते।
स्वामी विवेकानंद
राजा, गुरु, मित्र को पत्नी तथा सास माता के समान होती है।
इससे अवैध संबंध रखने वाला महापापी होता है।
चाणक्य

सम्पादकीय

दीदी जाने वाली है भाजपा आने वाली है?

भारत में आजादी के बाद पहली बार मतदान का एक ऐसा रिकॉर्ड बना है, जो ना भूतो ना भविष्यति को तरह है। प्रथम चरण के मतदान के बाद केंद्रीय गुप्तचर अिनीत शाह ने दावा किया है, प्रथम चरण की जिन 154 सीटों में जो मतदान हुआ है उसमें बीजेपी 120 सीटों पर जीत रही है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव का नॉरिटव बनाकर महिला आरक्षण बिल को आधार बनाकर बीजेपी ने चुनाव लड़ा है। चुनाव के दौरान संसद का विशेष सत्र बुलाकर परिसीमन और जनगणना के मुद्दे पर जो संशोधन बिल प्रस्तुत किया था। बिल को महिला आरक्षण से जोड़कर प्रचारित किया गया। महिला आरक्षण बिल अस्तित्व में है। इसके बाद भी जब यह बिल संसद से दो तिहाई बहुमत से पास नहीं हो पाया। उसके बाद भाजपा ने इतना राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन का मुद्रा बनाया है। महिला आरक्षण के नाम पर बंगाल और तमिलनाडु में चुनाव प्रचार किया। जो मतदान हुआ है, उस पर भाजपा का दावा है, महिलाओं ने भाजपा के पक्ष में पश्चिम बंगाल में बड़ चहुंकर मतदान किया है। तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 86 असीसदी रिकॉर्ड मतदान हुआ है। तमिलनाडु में भी महिलाओं ने एनडीए के पक्ष में मतदान किया है, यह दावा भाजपा द्वारा किया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में चुनाव के पहले, इसी तरह का नॉरिटव बनाकर भाजपा अप्रत्याशित रूप से चुनाव जीतती रही है। इस बार भी भाजपा को भरसा है, वह पश्चिम बंगाल में पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। ठीक इसके विपरीत ममता दीदी का दावा है। इस बार महिलाओं ने एसआईआर के नाम पर जिस तरह से करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं। तार्किक विसंगति के नाम पर लगभग 64 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से अलग किए गए हैं। अंतोगत्वा 34 लाख से ज्यादा मतदाताओं को प. बंगाल में मतदान से वंचित रखा गया है। इसकी वे पड़ती तीव्र प्रतिक्रिया बंगाल में हुई है। मतदाताओं को अपनी नागरिकता बचाने के लिए जो परेशानी उसे हुई है। बंगालियों को जिस तरह से परेशान किया गया है। उससे नाराज मतदाताओं ने इस बार टीएमसी के पक्ष में मतदान किया है। बंगाली रिम्ता और नागरिक अधिकार को सुरक्षित रखने के लिए कम्युनिस्ट विचारधारा के मतदाताओं ने भी टीएमसी के पक्ष में मतदान किया है। ममता बनर्जी का दावा है, भारी संख्या में जो मतदान हुआ है। वह एसआईआर के विरोध और बंगाली अस्मिता को बचाए रखने के लिए हुआ है। ममता बनर्जी का दावा है, वह भारी बहुमत के साथ चौथी बार अपनी सरकार बनाने जा रही है। बंगाल चुनाव पर गहरी नजर रख रहे राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है, इस बार का विधानसभा चुनाव परिणाम आश्चर्यचकित करने वाला होगा। पिछले 15 वर्षों के चुनाव परिणाम को देखने पर स्पष्ट है। कम्युनिस्ट विचारधारा के मतदाता प्रत्येक चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान कर रहे थे। इसका मुख्य कारण कम्युनिस्ट विचारधारा का कमजोर होना और भाजपा द्वारा सुनयोजित रूप से बंगाल में अपनी पकड़ मजबूत करना था। कम्युनिस्ट पार्टी और टीएमसी के बीच में लगातार टकराव बढ़ने का फायदा भाजपा को पिछले 2 लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हुआ है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। इस बार मामला उल्टा पड़ता हुआ दिख रहा है। जिस तरह से बेरोजगारी और महंगाई लगातार बढ़ रही है। जिस तरह से देश में घुसपैटियों के नाम बंगालियों को निशाने पर लिया गया है। उसके कारण बंगाली अस्मिता और एसआईआर के विरोध में पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने भारी मतदान किया है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह से चुनाव के पहिले भय का वातावरण, चुनाव के पहले चुनाव आयोग, सुरक्षा बलों एवं हिंदू कट्टरता के नाम पर बनाया गया उससे पश्चिम बंगाल का मतदाता नागरिक अधिकारों को लेकर सजग हुआ है। पहली बार वामपंथी विचारधारा को छोड़कर ममता दीदी के पक्ष में मतदान किया है। पश्चिम बंगाल के इतिहास में ऐसा परिवर्तन पहली बार होता हुआ दिख रहा है। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी को पूर्णवैवादी विचारधारा का समर्थक माना जाता है। पिछले 15 वर्षों में पश्चिम बंगाल में कम्युनिस्ट पार्टी का कमजोर होना पूर्णवैवादी व्यवस्था का मजबूत होना भाजपा के पक्ष में था। अब, जिस तरह से निम्न वर्ग नागरिकता, बेरोजगारी और महंगाई का सामना कर रहा है, उससे पश्चिम बंगाल का मतदाता भाजपा से भारी नाराज है। प्रथम चरण के मतदान में जिस शांति के साथ भारी संख्या में चरों से निकलकर मतदाताओं ने मतदान किया है। उससे यह संकेत मिल रहा है, इस बार पश्चिम बंगाल में ऐसा कुछ होने जा रहा है, जो भविष्य में प. बंगाल एवं देश की राजनीति को नई दिशा देगा। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। बांग्लादेश के चुनाव में जिस तरह के हालत थे। बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने जिस तरह से प्रधानमंत्री शेख हसीना के पक्ष में काम किया था। उसके बाद बांग्लादेश में विद्रोह हुआ, शेख हसीना को बांग्लादेश छोड़कर भारत में शरण लेना पड़ा। एसआईआर के नाम पर लाखों मतदाताओं के वोट काटने की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया पश्चिम बंगाल में हुई है। बंगाली समुदाय स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन से लेकर अभी तक के हर मामले में मुखर रहता आया है। प्रथम चरण के मतदान में जिस तरह के स्थान आए हैं, वह बहुत कुछ कसर रहे हैं। परिणाम आने के बाद प्रदेश एवं देश में इसकी तीव्र राजनीतिक प्रतिक्रिया होना तय है।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है? महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो? वह बोला- नहीं जानता। तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठाान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं जान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार किना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा? अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत्? ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र करते हैं- यह गुलाबी है। नास्तिक कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। लवचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्रि नहीं बतलाती। सब इंद्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

प्रो. एस. पी. सिंह बघेल
माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में पंचायती राज को नई ऊर्जा और दिशा मिली है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि सत्ता केवल दिल्ली के गलियारों तक सीमित न रहे, बल्कि देश के अंतिम गांव को दहलीज तक पहुंचे। ‘विकसित भारत 2047’ का विजन 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को मजबूत नींव पर आधारित है, जो देश की लगभग 64 प्रतिशत जनसंख्या को जीवन्तरेखा हैं। लोकतंत्र की पाठशाला: नारी नेतृत्व का उदय राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 2026 एक विशेष गौरव के साथ मनाया जा रहा है। नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री जी ने पंचायती राज संस्थाओं को देश में महिला नेतृत्व को सबसे बड़ी पाठशाला बताया - यह उस वास्तविकता को स्वीकृति थी जो आज ग्रामीण भारत में प्रतिदिन घटित हो रही है। देशभर में पंचायती राज संस्थाओं में निर्वाचित प्रतिनिधियों को कुल संख्या 32 लाख से अधिक हैं। वर्तमान में उपरत्यम आँकड़ों के अनुसार, 24,41,781 निर्वाचित प्रतिनिधियों में से 12,14,885 महिलाएँ हैं, जो कुल का लगभग 49.75 प्रतिशत हैं। 121 ज़्खों तथा 2 केंद्र शासित प्रदेशों ने पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत तक आरक्षण लागू किया है। पिछले चार वर्षों में संघीय रूप से 33.50 लाख महिला प्रतिनिधियों को नेतृत्व एवं सुशासन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया है - और 2025–26 में ही

बढ़ते कैंसर मरीजों के उपचार में ‘मेक इन इंडिया’ बना वरदान



श्रीविवेकतिवारी, फ़िसिक्लॉनवेनेटर, ट्यूमरटेक्नोलॉजी जगद्वैतलिमिटेड

ये डॉक्टरों को शरीर में कहीं भी छिपे कैंसर ट्यूमर को बिना चीरा लगाये अविश्वसनीय सटीकता के साथ हटाने में सहायता करते हैं। ये मशीनें उच्च तीव्रता वाली एक्स-रे या इलेक्ट्रॉन बीम उत्पन्न करती हैं, जिन्हें चिकित्सक ट्यूमर को लक्षित करने और आसपास के स्वस्थ ऊतकों की रक्षा के लिए सटीक रूप से आकार देते और नियंत्रित करते हैं। LINAC –आधारित उपचार विश्व भर में वयस्क कैंसर मामलों के इलाज की सहायक या पैलिएटिव देखभाल का आधार बनता जा रहा है। यह तकनीक इटोसीटी-मॉड्युलेटेड रेडिएशन थेरेपी, वॉल्यूमेट्रिक मॉड्यूलैटेड आर्क थेरेपी और इमेज-गाइडेड रेडिएशन थेरेपी जैसी उन्नत तकनीकों का आधार है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, देश भर में केवल लगभग 790 उच्च-वोल्टेज यूनिट्स हैं। एलआईएनएस में 554स्थलों पर लगभग 823 मशीनें काम कर रही थीं, उनमें से लगभग दो-तिहाई जगहों पर केवल एक-एक यूनिट ही चल रही है। हालांकि इस उपचार को सभी लोगों तक पहुंचाना चुनौतीपूर्ण कार्य है।अधिकारश एलआईएनएसी बड़े शहरों और टियर-1 केंद्रों में निजी सेटअप में केंद्रित हैं, जिससे 80%लोगों को देखभाल के लिए दूर जाना पड़ता है।इसका परिणाम देर से होने वाली शुरुआत, मरीजों द्वारा बीच में छोड़ना और अनावश्यक रूप से बीमारी का विनाश है।यह इकाइयों में विशेष गौरवों या छोटे इलाकों को सबसे अधिक प्रभावित करती हैं जो लंबी यात्राओं, आवास आदि का खर्च नहीं उठा सकते। लेकिन अब भारत का 'मेक इन इंडिया' अभियान इस अंतर को पाटने के लिए स्थानीय एलआईएनएस प्रोडक्ट

खास बात

भाजपा की रणनीति का मुक़ाबला सार विपक्ष मिलकर भी नहीं कर सकता ?

भारतीय जनता पार्टी और उनके अनुश्लेषिक संघटन 24x7x 365 दिन केवल चुनाव जीतने की रणनीति बनाते हैं। इस रणनीति में सां- दाम-दंड-भेद का उपयोग किया जाता है।भाजपा की रणनीति का मुक़ाबला सारे विपक्षी दल मिलकर भी नहीं कर सकते हैं।विपक्ष के पास रणनीति बनाने वाले ना तो जनकार है। नही उनके पास पैसाधेता है।रिही सही कसर मीडिया पूरी कर देता है।विपक्ष पूरी तरह से गोदी मीडिया से बाहर है।मुक़ाबला करने के लिए संविधानिक संस्थाओं का संरक्षण सत्ता पक्ष के पास है।ऐसी स्थिति में भाजपा को चुनाव में हरा पाना विपक्ष के लिए इस जमान में संभव नहीं है।इस बात को विपक्षी दल भी मानने लगे है।यह वहां अब विपक्षियों के बीच वहाशा के रूप में देखने को मिल रही है।विपक्ष तरह तरह से भभावाने भरसे है।

नितीश बाबू ना घर के न घाट के

पुत्र मोह में नितीश बाबू ना घर के रहे, न घाट के रहे।
मुख्यमंत्री पद से हाथ वना पड़ा।
अपने पुत्र को वह उममुख्यमंत्री भी नहीं बना पाए।
सम्भ्रा जा सकता है,उन्होंने पुत्र मोह में पडकर जो निर्णय लिए।
वह उनके खिलाफ चले गए।
वह साजिश का शिकार होकर रह गए।
इसके पुत्र निशांत की लॉन्गिअब किस तरह से होगी,यह बिहार में चर्चा का विषय बन गइ है।
निशांत मीमंडल विस्तार में यदि मंत्री बन भी जाते हैं।
तो वह हमेशा राजनीति में भी का हिस्सा बने रहेंगे।
इसभी तो नितीश बाबू का मुख्यमंत्री का पद चला गया।
केवल राज्यसभा के सांसद बनकर रह गए हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य वौश, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्व, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, नवमी, शनिवार, अश्लेषा नक्षत्र, गर योगे, बालवकरणे, करक को चंद्रमा, शीन जोनकी नवमी जानकी जन्म महोत्सव तथािप उत्तर दिशा को यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगा।
आज जन्म लिए बालक फलान्.....
आज जन्म लिया बालक धनीना, कुशल वकता- अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, कुशल व्यापारी, उद्यमी, प्रवासी, भगवान, कीर्तिता वाला, प्रबल उद्योगपति एवं मानी होगा।
मेघ राशि- बर्ह, यात्रा, राजसुख, सफरता, हानि, खर्च

जब कोई राष्ट्र अपनी जड़ों को सँचाता है, तो उसको शाखाएँ आसमान छूती हैं। भारत को ये जड़े उसको पंचायतें हैं और उन पंचायतों को आत्मा आज उसकी महिलाएँ हैं। 24 अप्रैल 1993 को 73वें संविधान संशोधन के माध्यम से जब गाँवों की सरकार को संवैधानिक मान्यता मिली, तो भारतीय लोकतंत्र ने एक नया अध्याय लिखा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में पंचायती राज को नई ऊर्जा और दिशा मिली है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि सत्ता केवल दिल्ली के गलियारों तक सीमित न रहे, बल्कि देश के अंतिम गांव को दहलीज तक पहुंचे। ‘विकसित भारत 2047’ का विजन 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को मजबूत नींव पर आधारित है, जो देश की लगभग 64 प्रतिशत जनसंख्या को जीवन्तरेखा हैं। लोकतंत्र की पाठशाला: नारी नेतृत्व का उदय राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 2026 एक विशेष गौरव के साथ मनाया जा रहा है। नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री जी ने पंचायती राज संस्थाओं को देश में महिला नेतृत्व को सबसे बड़ी पाठशाला बताया - यह उस वास्तविकता को स्वीकृति थी जो आज ग्रामीण भारत में प्रतिदिन घटित हो रही है। देशभर में पंचायती राज संस्थाओं में निर्वाचित प्रतिनिधियों को कुल संख्या 32 लाख से अधिक हैं। वर्तमान में उपरत्यम आँकड़ों के अनुसार, 24,41,781 निर्वाचित प्रतिनिधियों में से 12,14,885 महिलाएँ हैं, जो कुल का लगभग 49.75 प्रतिशत हैं। 121 ज़्खों तथा 2 केंद्र शासित प्रदेशों ने पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत तक आरक्षण लागू किया है। पिछले चार वर्षों में संघीय रूप से 33.50 लाख महिला प्रतिनिधियों को नेतृत्व एवं सुशासन पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया है - और 2025–26 में ही

9.37 लाख महिला प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 47.7 प्रतिशत की वृद्धि है। सशक्त पंचायत नेत्री अभियान और नारी शक्ति वंदन अधिनियम: ‘सशक्त पंचायत नेत्री अभियान’ महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों को उनकी संवैधानिक ज़िम्मेदारियों, अधिकारों और नेतृत्व क्षमताओं के प्रति सजग और सक्षम बनाता है। ‘महिला-हितैषी ग्राम पंचायत’ और ‘निर्भय रही’ जैसी पहलें महिलाओं को ज़मीनी लोकतंत्र में सुरक्षित और सशक्त भागीदारी के लिए प्रेरित कर रही हैं। ‘निर्भय रही’ निर्भया फंड के अंतर्गत संचालित है और यह कानूनी जागरूकता, सामाजिक संवेदनशीलता एवं तकनीकी सशक्तिकरण को एकीकृत करते हुए ग्रामीण शासन में महिलाओं और बालिकाओं के लिए अनुकूल वातावरण निर्मित कर रही है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम – लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करते हुए - भारतीय लोकतंत्र में उनकी भूमिका को स्थायी और सशक्त रूप से स्थापित करता है। पंचायती राज की पाठशाला में तैयार महिला नेतृत्व ही विधानसभाओं और संसद में बदलाव की वाहक बनेगी।

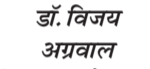
सोलहवाँ वित्त आयोग: संसाधनों में अभूतपूर्व वृद्धि-वित्तीय सशक्तिकरण किसी भी संस्था को कार्यक्षमता को आत्मा होती है। 16वें वित्त आयोग ने 2026 से 2031 को अवधि के लिए ग्रामीण स्थायी निकायों को 4.35 लाख करोड़ रुपये का ऐतिहासिक आवंटन किया है - जो 15वें वित्त आयोग की तुलना में 84 प्रतिशत अधिक है। पंचायतों के लिए 2026–27 में ही 1.40 लाख करोड़ रुपये का अनुदान आवंटित है। यह वित्तीय सुदृढ़ता पंचायतों को केवल खर्च करने

की क्षमता नहीं देती, बल्कि उन्हें विकास के एजेंडा को स्वयं निर्धारित करने का आत्मविश्वास भी प्रदान करती है। स्व-स्रोत राजस्व नीति और प्रदर्शन-आधारित अनुदान ने पंचायतों में जवाबदेही और प्रतियस्पर्धा - दोनों को एक साथ प्रोत्साहित किया है। समावेशी और पारदर्शी शासन: ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास’ का मार्गदर्शक मंत्र पंचायती राज मंत्रालय के प्रत्येक कदम का आधार है। ई-ग्राम स्वराज मंच के माध्यम से देशभर की ग्राम पंचायतों ने 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऑनलाइन भुगतान संसाधित किए हैं। सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली से एकीकृत यह मंच प्रत्येक लेनदेन को सीधे विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं तक वास्तविक समय में पहुंचाता है। 12.5 लाख से अधिक पंचायतों और 1.6 करोड़ वैंडर्स का इससे जुड़ना डिजिटल सुशासन की व्यापक स्वीकृति का प्रमाण है। वर्ष 2025–26 में 2.5 लाख से अधिक पंचायतों ने सतत विकास लक्ष्यों की 9 थीमस में विभाजित कर अपनी विकास योजनाएँ स्वयं तैयार कीं - ग्रामीण विकास को लक्ष्य-उन्मुख और परिणाम-केंद्रित बनाते हुए।

पैसा रैंकिंग: अनुसूचित क्षेत्रों में स्वशासन की नई पहल- पंचायती राज मंत्रालय ने पहली बार 25 जनवरी 2026 को वर्ष 2024–25 के लिए पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 (पैसा) के अंतर्गत राज्यों के प्रदर्शन को राज्यवार रैंकिंग जारी की। इसका उद्देश्य स्वस्थ प्रतियस्पर्धा को बढ़ावा देना, पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करना तथा अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा आधारित रैंकिंग जारी की। इसका उद्देश्य स्वस्थ प्रतियस्पर्धा को बढ़ावा देना, पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करना तथा अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा आधारित रैंकिंग जारी की। इसका उद्देश्य स्वस्थ प्रतियस्पर्धा को बढ़ावा देना, पारदर्शिता और हिमचल प्रदेश फ्रंट रनर श्रेणी में रहे; राज्यस्मान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना

अनुसंधान और विकास में भारत की बढ़ती पहल

कुछ ही दिन पहले केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने देश को एक बहुत ही उत्साहजनक खबर दी है। उन्होंने बताया कि सन् 2024-25 के वित्तीय वर्ष में भारत ने पेटेंट के लगभग एक लाख पेटेंटतालाह हजार आवेदन दाखिल किए। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पेटेंट के आवेदन पत्रों को यह संख्या पिछले साल के वित्तीय वर्ष की तुलना में तीस प्रतिशत अधिक है। उन्होंने इसके कारण की चर्चा करते हुए अपने ‘एसओ



डॉ. विजय अग्रवाल

पर लिखा है कि यह सकात्मक बदलाव ‘स्टार्टअप इंडिया’ तथा ‘मेक इन इंडिया’ की बढ़ती हुई संस्कृति के कारण आया है। निश्चित रूप से इससे ज्ञान पर आधारित अर्थव्यवस्था के चारों में एक अच्छे भविष्य का धारणा बनती है। लेकिन यदि हम इसे वैश्विक ज़रूरत से देखें, तो हम अभी भी काफी पीछे हैं। पेटेंट के मामले में चीन बहुत नंबर पर और अमेरिका दूसरे नंबर पर है। तीसरे और चाथे नंबर पर क्रमशः जापान और साउथ कोरिया आते हैं। जनसंख्या की दृष्टि से जापान और साउथ कोरिया बहुत ही छोटे देश हैं। चीन की आवादी भारत के लगभग-लगभग बराबर और अमेरिका भारत के लगभग एक चौथाई है।इसके बावजूद यदि इन देशों की अर्थव्यवस्था इनकी अधिक मजबूत है, तो इसका मुख्य श्रेय वहीं के अनुसंधान एवं विकास से ही जाता है।दक्षिण कोरिया अनुसंधान और विकास पर दुनिया का सबसे अधिक खर्च करने वाला देश है।वह अपनी जीडीपी का 4.5 प्रतिशत खर्च करता है।अमेरिका, जो पहले से ही आर एंड डी के मामले में इतनी उन्नत स्थिति में है, अपनी जीडीपी का 2.8 प्रतिशत और चीन अपनी जीडीपी का 2.47 प्रतिशत खर्च कर रहा है। यहाँ गौर करने की बात यह है कि सन 1980 के आसपास भारत और चीन को प्रिव्यक्ति आय एक जैसी ही थी। लेकिन पिछले चार दशकों में उनसे आर एंड डी पर बहुत अधिक काम किया। इसके परिणामस्वरूप वह आज अमेरिका जैसे देशों को भी टक्कर देने की स्थिति में है। लेकिन जब इन अंकड़ों की तुलना हम भारत के आंकड़ों से करते हैं, तो वह देश, जो कभी ‘विश्व गुरु’ कहलाता था, बहुत दयनीय स्थिति में दिखाई देता है। हम अपनी जीडीपी का मात्र 0.67 प्रतिशत ही खर्च करते हैं। जबकि लॉरेल आंकड़ा ही 1.79 प्रतिशत का है। यानि कि हमारा खर्च विश्व के औसत का मात्र तीस प्रतिशत है। यह एक बहुत बड़ा कारण है कि हमारी अर्थव्यवस्था बहुत तेजी के साथ उस ऊँचाई को छू नहीं पा रही है, जिसे छूने को क्षमता हममें है। उदाहरण के तौर पर हम इसरो को लो सकते हैं, जिसने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में दुनिया के सामने सफलता के जबरदस्त उदाहरण पेश किया है। पिछले कुछ सालों से रक्षा अनुसंधान के क्षेत्र में भी हमने जबब का काम किया है। कोरोना के समय इतनी जल्दी वैक्सीन का निर्माण और उत्पादन करने के भारत ने पूरी दुनिया को चकित कर दिया था। यूपीआई के द्वारा भारत ने भुगतान करने की जो प्रणाली विकसित की है, वह डिजिटल के क्षेत्र में हमारे बहुत बड़े कमाल को प्रदर्शित करती है। ये सफलताएँ बताती हैं कि हमारे लोगों में टेनेंट तो है, परंतु जरूरत है तो इस टेनेंट के सही इस्तेमाल करने और उसके अधिक उपजाऊ वातावरण को। इसके लिए निजी क्षेत्र को पूरे जोशखोशी के साथ आगे आना चाहिए। अभी भी अनुसंधान और विकास पर हमारे यहाँ जो भी खर्च हो रहा है, उसमें निजी क्षेत्र का योगदान मात्र छवौस प्रतिशत ही है।

(लेखक भारतीय सूचना सेवा के पूर्व अधिकारी हैं। प्रेस सूचना ब्यूरो में एडिश्नल डायरेक्टर जनरल के पद पर थे।85 से अधिक पुस्तकों के लेखक हैं।)

<p>दैनिक पंचांग</p>	
<p>25 अप्रैल 2026 को सु्योदय के समय की ग्रह स्थिति</p>	
	
ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेघ में ०६.42 बजे से
चंद्र	करक में मिथुन 08.40 बजे से
मंगल	मीन में करक 10.53 बजे से
बुध	मीन में सिंह 13.09 बजे से
गुरु	मिथुन में कन्या 15.21 बजे से
शुक्र	बुध में तुला 17.32 बजे से
शनि	मीन में वृश्चिक 19.47 बजे से
राहु	कुंभ में धनु 22.03 बजे से
केतु	सिंह में मकर 00.08 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक	शनि 01.54 बजे से मीन 03.27 बजे से मेष 04.58 बजे से
दिन का चौपाड़िया	रात का चौपाड़िया
काल 05.55 से 07.23 बजे तक शुभ 07.23 से 08.51 बजे तक शुभ 08.51 से 10.19 बजे तक उद्वेग 10.19 से 11.46 बजे तक उद्वेग 11.46 से 01.14 बजे तक लाभ 01.14 से 02.42 बजे तक काल 02.42 से 04.10 बजे तक लाभ 04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ 05.37 से 07.10 बजे तक उद्वेग 07.10 से 08.42 बजे तक शुभ 08.42 से 10.14 बजे तक अमृत 10.14 से 11.47 बजे तक चर 11.47 से 01.19 बजे तक राग 01.19 से 02.51 बजे तक काल 02.51 से 04.23 बजे तक लाभ 04.23 से 05.56 बजे तक
चौपाड़िया शुभाशुभ-शुभ अमृत व लाभ, व्यय चर, अशुभ उद्वेग, राग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य कक्षा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। M.jagritikalpoos.com, Banglore	

कलेक्टर वर्मा की सख्ती: स्कूल बसों की सुरक्षा में लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

इंदौर ■ निःस

इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक संभ्रम हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक वाहनों के सुरक्षित संचालन और शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना था। बैठक में जिले के विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य, कॉलेजों के संचालक, निजी शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि और संबंधित प्रशासनिक अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सचेत किया कि सुरक्षा प्रश्नों में किसी भी प्रकार की कोताही को स्वीकार नहीं किया जाएगा और लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के विषय पर किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर रोशन राय, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रदीप शर्मा और जिला शिक्षा अधिकारी शांता स्वामी भागवत सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी शैक्षणिक वाहनों की नियमित जांच अनिवार्य है। हर बस में अग्निशमन यंत्र का होना आवश्यक है। केवल उपकरण लगाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि स्कूलों की समय-समय पर सुरक्षा माँक ड्रिल आयोजित करनी होगी ताकि आपात स्थिति में स्टॉप और विद्यार्थी बचाव के तरीकों से अवगत रहें। बसों में स्पीड गवर्नर लगाना अनिवार्य किया गया है ताकि गति नियंत्रित रहे। साथ ही, बच्चों को ड्राइवर के केबिन में बैठाना पूरी तरह प्रतिबंधित होगा और क्षमता से अधिक विद्यार्थी नहीं बैठाए जाएंगे। स्कूल संचालकों को ड्राइवरों के नाम, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड और लाइसेंस की जानकारी संकलित स्तर पर जमा करानी होगी।

मल्लिकार्जुन खड्गे के बयान पर सिधार्थी बवाल नरेंद्र मोदी को लेकर टिप्पणी पर भाजपा का तीखा हमला



इंदौर ■ निःस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे के बयान पर राजनीति गरमा गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति इस तरह की निम्न स्तरीय भाषा का उपयोग करना खड्गे और कांग्रेस की ओड़ी मानसिकता को दर्शाता है। उनका गैर जिम्मेदाराना बयान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गिरावटी विषय के लोकप्रिय नेताओं में होती है। वे हमारे देश की आन बान और शान है। खड्गे भी राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष हैं। भाजपा के शिविर में भाग लेने आए छत्तीसगढ़ के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के तौर पर देश की जनता ने चुना है। कांग्रेस के नेताओं को अपनी वाणी को संयत रखना चाहिए। खड्गे पहले भी उनके

मुख्यमंत्री यादव हुए शिविर में शामिल

मुख्यमंत्री मोहन यादव दोपहर तीन बजे इंदौर आए। वे एयरपोर्ट से सीधे डेली कॉलेज पहुंचे। यहां आयोजित भाजपा के एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में वे शामिल हुए। शिविर स्थल पर स्थानीय नेताओं ने उनकी आवाजी की। यादव ने शिविर को संबोधित भी किया और संगठन और सरकार से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखी।

खिलाफ विवादित बयान दे चुके हैं। कांग्रेस जनहित से जुड़े मुद्दों में हमेशा बाधा बनती है। उन्होंने महिला आरक्षण बिल को भी मंजूर नहीं होने दिया और इसका वह जहन मना रही है। कांग्रेस को अपनी अमर्यादित टिप्पणी पर देश की जनता से माफ़ी मांगनी चाहिए।

भागीरथपुरा पेयजल कांड: हाईकोर्ट सख्त, जांच आयोग को 14 जून तक रिपोर्ट सौंपने के निर्देश

इंदौर ■ निःस

इंदौर के चर्चित भागीरथपुरा पेयजल दूषित कांड को लेकर बुधवार को हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट के समक्ष जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा। हाईकोर्ट ने 14 जून तक रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। अगली सुनवाई 16 जून को होगी। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल के कारण 35 लोगों की मौत हो चुकी है। सरकार ने मृतकों को दो-दो लाख रुपये का मुआवजा दिया है। इस मामले में हाईकोर्ट में दो याचिकाएं लगी हैं। कोर्ट ने इस मामले में जांच आयोग गठित किया है। पिछली सुनवाई में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जवाब पेश हुआ था। उसमें 18 मीटर्न दूषित पेयजल के कारण स्वीकरी गई थी। इसके अलावा एक जांच समिति ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसमें उन्होंने पेयजल लाइन में दूषित पानी मिलने व अन्य कारण बताए थे, लेकिन अभी तक इस मामले में गठित आयोग की तरफ से रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है। आयोग भागीरथपुरा के प्रभावित परिवारों से साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए कह चुका है।

मध्याह्न भोजन सुरक्षा और पीएनजी के उपयोग पर जोर



स्कूलों में संचालित रसोई और मध्याह्न भोजन की व्यवस्था पर भी विशेष चर्चा की गई। कलेक्टर ने सुझाव दिया कि सुरक्षा की दृष्टि से स्कूलों को रसोई में पीएनजी कनेक्शन का उपयोग किया जाए। इसके साथ ही, भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए ताकि छात्रों को सुरक्षित और पोषिक आहार मिल सके।

कॉलेजों में नशा मुक्ति के लिए बनेगी समितियां

उच्च शिक्षण संस्थानों और कॉलेजों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कलेक्टर ने विशेष समितियों के गठन के निर्देश दिए। ये समितियां परिसरों में निरंतर निगरानी रखेंगी और नशे की गतिविधियों में संलग्न पाए जाने वाले विद्यार्थियों या तत्वों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करेंगी।

बसों के संचालन के लिए विस्तृत निर्देश दिए

प्रशासन द्वारा बसों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। स्कूल बसों का रंग पीला होना और उन पर "स्कूल बस" लिखा होना अनिवार्य है। अनुबंधित बसों पर "ऑन स्कूल ड्यूटी" का बोर्ड होना चाहिए। बसों में फर्स्ट-एड बॉक्स, फ़िररिजेंट फ़िल, जीपीएस और चालू हालत में सीसीटीवी कैमरे होना आवश्यक है। खिड़कियों पर पड़े या काली फिल्म प्रतिबंधित रहेगी। बस चालकों के पास कम से कम 5 वर्ष का भारी वाहन चलाने का अनुभव होना चाहिए। छात्रों के परिवहन के समय महिला अटेंडेंट या परिचालक की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। इसके अलावा, वर्षा ऋतु में जलभराव वाले पुलों से वाहन निकालने पर रोक और समय-समय पर चालकों की काउंसिलिंग के निर्देश भी दिए गए हैं।

यूनिकॉर्म और किताबों की मोनोपॉली पर रोक

अभिभावकों के हितों का ध्यान रखते हुए प्रशासन ने सख्त रोक लगाई है। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि स्कूल यूनिकॉर्म और किताबों की विक्री में किसी भी प्रकार की मोनोपॉली या एकाधिकार व्यवस्था नहीं होनी चाहिए। ये सामग्रियां बाजार में मुमुता से उपलब्ध होनी चाहिए ताकि अभिभावकों को किसी विशेष दुकान या स्थान से खरीदने के लिए मजबूर न होना पड़े।

भोजशाला धार विवाद: हाईकोर्ट का बड़ा आदेश

98 दिन के सर्वे की वीडियोग्राफी सभी पक्षों को देने के निर्देश

इंदौर ■ निःस

धार भोजशाला मामले में अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को मुस्लिम पक्ष सहित अन्य पक्षकारों को सर्वे की वीडियोग्राफी मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं। हाईकोर्ट ने 27 अप्रैल तक सभी पक्षों को वीडियोग्राफी क्लिप उपलब्ध कराने को कहा है। एएसआई की तरफ से यह भी कहा गया कि इतने फुटेज उपलब्ध कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि सर्वे 98 दिनों तक चला है और हर दिन की वीडियोग्राफी की गई है। कोर्ट ने कहा कि तकनीकी माध्यमों के जरिए इसे उपलब्ध कराया जाए। धार स्थित भोजशाला मामले में निर्यात सुनवाई चल रही है। दो पक्षकारों ने अपने तर्क प्रस्तुत किए हैं। इसके अलावा एएसआई को भी पक्ष रखने का मौका दिया गया। अब मुस्लिम पक्ष ने अपने तर्क रखे हैं और फिर वीडियोग्राफी की पुरानी मांग दोहराई है। हाईकोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) को आदेश दिया है कि भोजशाला में किए गए सर्वे की पूरी वीडियोग्राफी सभी पक्षों को उपलब्ध कराई जाए। कोर्ट ने कहा है कि 27 अप्रैल तक हर हाल में वीडियोग्राफी क्लिप संबंधित पक्षों को दी जाए, ताकि वे इन वीडियोग्राफी के आधार पर अपने तर्क पेश कर सकें।



जब भोजशाला मामले में सुनवाई हुई थी, तब मुस्लिम पक्ष की तरफ से सर्वे की वीडियोग्राफी मुहैया कराने की मांग की गई थी। इसके अलावा इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट पर शरण भी ली गई थी, लेकिन कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगा। अब सुनवाई के दौरान फिर मुस्लिम पक्ष ने यह मांग दोहराई, तो कोर्ट ने सभी पक्षकारों को वीडियोग्राफी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस आदेश के बाद आने वाली सुनवाई में वीडियोग्राफी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, क्योंकि इसी आधार पर दोनों पक्ष अपने दावे और तर्क मजबूत करेंगे। आयोग को बता दें कि 98 दिनों तक एएसआई ने भोजशाला में अलग-अलग तकनीकों से सर्वे किया है और 2000 पेज से अधिक की रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की है। रिपोर्ट में खुदाई में मिले अवशेष और उन पर अंकित चित्रों के फोटो भी शामिल किए गए हैं।

लैंसकाट ड्रेस कोड विवाद: वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन का इंदौर में प्रदर्शन, बहिष्कार का ऐलान

इंदौर ■ निःस

लैंसकाट की ड्रेस कोड नीति को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इसी मुद्दे को लेकर वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन मध्य प्रदेश ने इंदौर में कंपनी के शोरूम के बाहर प्रदर्शन करते हुए पुरुष बहिष्कार का ऐलान किया। स्कॉम-54 स्थित लैंसकाट शोरूम के बाहर हुए इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए, जिनमें महिलाएं भी मौजूद रहीं। प्रदर्शनकारियों ने महिला कर्मचारियों को तिलक लगाया और कहा कि वे धिना किस्ती डर के अपने धार्मिक प्रतीकों के साथ काम करें। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने लैंसकाट के चरमों का बहिष्कार करते हुए उन्हें तोड़कर विरोध दर्ज कराया। कार्यक्रम में सिद्धेश्वर धाम के पीठाधीश्वर स्वामी अतुल आनंद महाराज भी मौजूद रहे और उन्होंने कंपनी की नीतियों का विरोध किया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय अडवाल ने आरोप लगाया कि कंपनी की अंतरिक नीति में कर्मचारियों को बिंदी, तिलक और कलवा जैसे हिंदू धार्मिक प्रतीकों के उपयोग पर रोक लगाई गई है, जबकि हिजाब को अनुमति दी गई है। उन्होंने इसे धार्मिक भेदभाव बताते हुए कड़ा विरोध जताया।



आनंद महाराज भी मौजूद रहे और उन्होंने कंपनी की नीतियों का विरोध किया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय अडवाल ने आरोप लगाया कि कंपनी की अंतरिक नीति में कर्मचारियों को बिंदी, तिलक और कलवा जैसे हिंदू धार्मिक प्रतीकों के उपयोग पर रोक लगाई गई है, जबकि हिजाब को अनुमति दी गई है। उन्होंने इसे धार्मिक भेदभाव बताते हुए कड़ा विरोध जताया।

दुकानों से लेकर प्लेट तक मची अफरा-तफरी

शहर में आग का कहर: एक ही रात में 8 जगह आगजनी

इंदौर ■ निःस

शहर में जैसे-जैसे तापमान बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे आग लगने की घटनाएं भी बढ़ गई हैं। कल रात से आज सुबह तक आठ जगह आग लगने की घटनाएं हुईं। स्क्रीम 78 में पूजन सामग्री की दुकान एवं बाणगंगा में सुबह बैटरी की दुकान में आग लगी। मिली जानकारी के अनुसार कल रात 2 बजे के करीब स्क्रीम 78 पानी टंकी के पास स्थित शिवानी पिता सुरेंद्र पाठक की साईंनाथ पूल भंडार नामक पूजन सामग्री की दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। बताया जा रहा है कि दुकान के पास ही विद्युत ट्रांसफार्मर लगा हुआ है, जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ था। आग की चिंगारी दुकान पर गिरी, जिसने आग पकड़ ली। इस घटना में दुकान जलकर खाक हो गई। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने करीब 4.30 हजार लीटर पानी की मदद से आग पर काबू पाया। क्षेत्रीय रहवासियों ने भी आग बुझाने में मदद की। इसी प्रकार देर रात नेहरू नगर स्थित अमृतधाम गेट के पास एक प्लेट में आग लगने की सूचना



धमाके के साथ फटी बैटरियां आज सुबह 4 बजे बाणगंगा क्षेत्र की वृंदावन कॉलोनी में एक बैटरी की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। दुकान में रखी कुछ बैटरियां धमाके से फट गईं। इस घटना में बैटरी के अलावा लैपटॉप, चार्जर, मशीन जली है। रंजन पिता रमाशंकर की यह दुकान पूरी तरह जलकर खाक हो गई। फायरकर्मियों ने मौके पर जाकर 15000 लीटर पानी तथा 5 लीटर फोम का उपयोग कर आग पर नियंत्रण पाया। बंगाली चौमहे पर रात 3 बजे एक दुकान में आग लगने की घटना हुई। मौके पर कोई नहीं मिला, जिससे आश्चर्य नहीं हो पाया कि दुकान किसकी है। सुबह-सुबह 60 फीट रोड पल्हर नगर में एक पंक्चर फकाने की दुकान में आग लग गई, जिससे दुकान में रखा सामान व पुराने टायर जल गए।

पक्षियों हेतु दाना-पानी अभियान



कनिका कुमावत, साई कृपा इंदौर

भीषण गर्मी का कहर

प्यास से बेहाल वन्यजीव, इंदौर में बंदरों-नीलगाय का रेस्क्यू तेज



इंदौर ■ निःस

दिनोदिन बढ़ते तापमान के चलते प्रचंड गर्मी के मौसम में प्यास और पानी की कमी बंदर सहित अन्य वन्यजीवों पर आफत बनकर टूट रही है। वन विभाग के अनुसार पानी की तलाश में बंदर जंगलों से गांव-शहर की बस्तियों तक जा पहुंचे हैं। पानी नहीं मिलने पर पेड़ की शाखाओं से प्यास के चलते बंदर का चिड़ियाघर में इलाज कराया गया। कुल 3 में से 2 बंदर स्वस्थ हैं। परिसर रेंजर संगीता ठाकुर ने बताया कि गर्मी के चलते पानी की तलाश में बंदर ही नहीं गिरकर घायल हुए एक बंदर का रेस्क्यू कर कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय, मत्तल चिड़ियाघर

पहुंचाया। वन विभाग की रेस्क्यू टीम में शामिल तोताराम चौहान, अमन मालवीय और अमित तोमर ने 3 बंदरों के रेस्क्यू के बारे में बताया कि इनके पहले वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने नेपालपुर के पास 2 बंदरों का भी रेस्क्यू किया, मगर इनमें से एक बंदर की पेड़ के ऊपर से नीचे गिरने के कारण मौके पर ही मौत हो गई थी, मगर दूसरे बंदर का चिड़ियाघर में इलाज कराया गया। कुल 3 में से 2 बंदर स्वस्थ हैं। परिसर रेंजर संगीता ठाकुर ने बताया कि गर्मी के चलते पानी की तलाश में बंदर ही नहीं गिरकर घायल हुए अन्य वन्यजीव भी जंगल छोड़कर इशर-उधर भटकते फिर रहे हैं।

परदेशीपुरा में दर्दनाक घटना

युवती का सुसाइड, आखिरी मैसेज 'खुश रहना' ने छोड़े कई सवाल

इंदौर ■ निःस

इंदौर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में एक 21 साल की एक युवती ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी, बताया जा रहा है कि आत्महत्या से ठीक पहले युवती ने अपने दोस्त को वीडियो कॉल किया था, लेकिन कॉल रिसीव न होने पर उसने एक आखिरी मैसेज 'खुश रहना' भेजा और फिर ये कदम उठा लिया। दरअसल यह पूरा मामला इंदौर के परदेशीपुरा थाना क्षेत्र के जनाता क्वार्टर का है, जहां रहने वाली 21 वर्षीय नमता ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, आत्महत्या से पहले नमता ने अपने एक युवक दोस्त को वीडियो कॉल किया था, लेकिन जब कॉल रिसीव नहीं हुआ तो उसने उसे 'खुश रहना' लिखकर मैसेज किया, जिसके कुछ ही देर बाद उसने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली, घटना की सूचना मिलते ही परदेशीपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में कर ली, आत्महत्या के लिए भेजा, पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।



लॉरेंस बिश्नोई गैंग कनेक्शन की जांच तेज

इंदौर फिरौती कांड में आरोपी राजपाल प्रोडक्शन वारंट पर लाया गया, बड़े खुलासे के संकेत

इंदौर ■ निःस



इंदौर में हाल ही में सामने आए करोड़ों की फिरौती के मामलों में अब बड़ा खुलासा होने की उम्मीद है। ब्राह्म ब्रांच ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हेरी बॉक्सर के एक साथी राजपाल को खरगोन से प्रोडक्शन वारंट पर इंदौर लाया है, जिसमें पुलिस को शक है कि इन हाई-प्रोफाइल फिरौती मामलों के तार गैंग से जुड़े हो सकते हैं। दरअसल, इंदौर में पिछले दिनों दो अलग-अलग मामलों में करोड़ों रुपये की फिरौती मांगी गई थी, जिसमें दो पार्टनर्स से 10 करोड़ और एक उद्योगपति से 5 करोड़ रुपये की डिमांड की गई थी, खास बात यह रही कि ये फिरौती कॉल वीपीएन

रक्षित समाचार

मार्टर्स नेशनल टेबल टेनिस,
महाराष्ट्र और गुजरात का दबदबा

पुणे। बालेवाडी इंडोर स्टेडियम में शुरू हुई 32वीं मार्टर्स नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप के शुरुआती दो दौर में मेजबान महाराष्ट्र और मजबूत दावेदार गुजरात ने अपने शानदार खेल से सभी को प्रभावित किया है। प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न आयु वर्गों में कड़े मुकाबले देखने को मिले, जहाँ महाराष्ट्र की टीमों ने अपनी घरेलू परिस्थितियों का भरपूर लाभ उठाते हुए नॉक आउट चरण की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। पुरुषों के 80+ आयु वर्ग के ग्रुप-ए में कर्नाटक ने महाराष्ट्र पर 3-1 की जीत के साथ चौकाया, वहीं ग्रुप-बी में गुजरात ने मध्य प्रदेश और दिल्ली को शिकस्त देकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। 175+ श्रेणी में महाराष्ट्र ने अपना वर्चस्व कायम रखते हुए तेलंगाना और कर्नाटक को 3-0 के समान अंतर से पराजित किया।

एमआई के पास अभी भी ल्देऑफ़ का अवसर: कोच जयवर्धने

मुंबई। मुंबई इंडियंस क्रिकेट टीम के मुख्य कोच महेश जयवर्धने ने कहा है कि उनकी टीम के पास अभी भी ल्देऑफ़ में जाने का अवसर है, इसलिए टीम अगले सात मैचों के लिए पूरी योजना के साथ उतरेगी। मुंबई की टीम को आईपीएल में सात में से पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। कोच ने सूर्यकुमार यादव और कप्तान हार्दिक पंड्या जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के अलावा टीम के कई सदस्यों के टी20 विश्व कप में खेलने को लेकर हुई थकान की आशंकाओं को खराब प्रदर्शन का कारण नहीं माना है।

जडेजा जैसा प्रदर्शन कर

उत्साहित है अकील

मुंबई। आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएफके) की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे वेस्टइंडीज के अकील हुसेन आजकल बेहद खुश हैं। इसका कारण है कि वह अपने आदर्श रवींद्र जडेजा की जगह लेने में सफल होते जा रहे हैं। आज से 13 साल पहले अकील ने इच्छा जताई थी कि एक दिन वे भी अपने आदर्श की जगह जैसे खिलाड़ी बनना चाहते हैं। उनका ये सपना इस बार सफल होना दिख रहा है। आईपीएल नीलामी में उन्हें सीएफके ने जडेजा के राजस्थान रॉयल्स जाने के कारण शामिल किया था। जडेजा के रॉयल्स में जाने के बाद टीम को एक बड़े ऑलराउंडर और बाएं हाथ के स्पिनर की जरूरत महसूस हो रही थी। इसी कारण अकील को महज 30 करोड़ की जगह शामिल किया गया।

मिश्रितस्पर्धा में विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण जीता

नई दिल्ली ■ एजेसी

10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ट टीम जोड़ी शंभवी शीर्षागार और दिव्यांशु देवांगन ने 499.9 के जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में भारत की झोली में चौथा गोल्ड मेडल आ गया है। 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ट टीम जोड़ी शंभवी शीर्षागार और दिव्यांशु देवांगन ने 499.9 के जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड मेडल को अपने नाम किया।

इस जोड़ी ने इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में कुल 632.0 के साथ टॉप किया था। चीनी ताइपे की त्साई ची-फिंग और चैन यू-एन ने 498.3 के साथ सिल्वर जीता, जबकि टिफेन पोम्स और गैसपार्ड लेसीयर की फ्रेंच जोड़ी ने 434.4 के साथ ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। जूनियर पुरुषों के 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल इवेंट में समीर ने क्वालिफाइंग राउंड में 573 के प्रयास के साथ फाइनल में जगह बनाई और वह दूसरे स्थान पर रहे। फ्रांस के अनौद गामालेरी ने 589 पोस्ट करते



हुए जूनियर वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी को और वह गोल्ड मेडल जीतने में सफल रहे। फाइनल में समीर सातवें स्थान पर रहे। उन्होंने आठ-सौरीज के फाइनल को पहली तीन पांच-शॉट सौरीज में सात हिट किए।

गामालेरी ने 29 हिट के साथ गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। काहिरा जूनियर वर्ल्ड कप में भारत के अब कुल 12 मेडल हो गए हैं, जिसमें 4 गोल्ड, 5 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं।

भारतीय टीम मेडल टैली में शीर्ष पर मौजूद है। टूर्नामेंट का अंत होने में अभी दो दिन बचे हुए हैं।

इससे पहले गुरुवार को, प्राची गायकवाड़ ने जूनियर महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पीजीशन (3पी) इवेंट जीतकर गोल्ड मेडल को अपने नाम किया था। प्राची ओलिंपिक इंटरनेशनल सिटी शूटिंग रेंज में जूनियर महिला 3पी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली अकेली भारतीय थीं। प्राची ने टूर्नामेंट में भारत को दूसरा गोल्ड मेडल

दिलाया था।

इससे पहले 21 अप्रैल को शिव नरवाल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट जीतकर देश को पहला गोल्ड मेडल दिलाया था। वहीं, नारायण प्रणव ने फाइनल में 229.5 के स्कोर के साथ जूनियर पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया था।

अभय सिंह ने एलेडिन को हराया,
पहली बार पीएसए गोल्ड-लेवल
टूर्नामेंट के वर्ल्ड फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली ■ एजेसी भारत के अभय सिंह ने जूरिख में खेले जा रहे ग्रैंडस्लॉपर कप स्क्वैश टूर्नामेंट में मिस्र के विश्व नंबर 13 अली अबू एलेडिन को हराकर पहली बार पीएसए गोल्ड लेवल की प्रतियोगिता के वर्ल्ड फाइनल में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज अभय दूसरे दौर के पहले गेम में 5-8 से पीछे चल रहे थे। उन्होंने हालांकि शानदार वापसी करते हुए सातवीं वरीयाता प्राप्त एलेडिन को 12-10, 11-9 से मात दी। वीर कोटरानी हैम्वर्ग स्क्वैश के वर्ल्ड फाइनल में पहुंचे, अभय-रमित और जोशना हुए हारकर स्क्वैश टूर्नामेंट : आदित्य, आयुष, मनन और हुजेश समीरफाइनल में पहुंचे।



ऑस्ट्रेलिया पहुंचकर इलाज कर रहे कॉनोली

वंडेडिंग। आईपीएल अंक तालिका में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। उसके बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के क्यूर कॉनोली चोटिल हो गये हैं। क्यूर कॉनोली पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट गए हैं। कॉनोली ने खुद सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रशासकों को इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि वह ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं और अपनी चोट का प्रबंधन कर रहे हैं पर साथ ही कहा कि जैसे ही वह फिट होंगे पंजाब की टीम से जुड़ जाएंगे। कॉनोली ने इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। जिससे उनकी कमी टीम को खलेगी। कॉनोली ने अपनी आक्रामक शैली और मैच जिताने की क्षमता का प्रदर्शन किया। पंजाब किंग्स के लिए, कॉनोली इस सीजन के सबसे बड़े मैच विजेताओं में से एक बनकर उभरे थे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेली, जिसमें गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 72 रन की पारी रही है, जिसने टीम को एक कठिन लक्ष्य का पीछा करने में मदद की। इसके अतिरिक्त, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएनजी) के खिलाफ उनकी 87 रन की तेज पारी ने भी टीम को दबाव की स्थिति से निकालकर जीत दिलायी। पंजाब किंग्स ने मौजूदा सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 6 में से 5 मुकाबले जीते हैं और आत्मविश्वास से लबरेज होकर अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज है। कॉनोली जैसे प्रभावशाली ऑलराउंडर की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन और रणनीति पर असर डालेगी। उनकी धमकेदार बल्लेबाजी की कमी टीम को मध्य क्रम में महसूस हो सकती है, और उनकी जगह भरना कप्तान और टीम प्रबंधन के लिए एक बड़ी चुनौती होगी।

जिला रैंकिंग टेबल टेनिस : मुद्रुल को दोहरी सफलता

सिद्धिदा और नेहल भी बनीं चैंपियन

इंदौर ■ विस

इंदौर जिला टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में अभय प्रशाला में आयोजित सत्र की प्रथम जिला रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा के दूसरे दिन मुद्रुल पुरोहित का जबरदस्त दबदबा देखने को मिला। मुद्रुल ने शानदार खेल दिखाते हुए 15 चर्च एवं 17 वर्ष आयु वर्ग के दोनों खिताब अपने नाम कर दोहरी सफलता अर्जित की। वहीं, बालिका वर्ग में भी कड़े मुकाबलों के बीच अंडर-15 में सिद्धिदा जैन और अंडर-17 में नेहल नाहर चैंपियन बनीं। स्पर्धा के शेष वर्गों के फाइनल मुकाबले शनिवार को खेले जाएंगे।

बालक वर्ग के फाइनल मुकाबलों में मुद्रुल पुरोहित ने अपनी तकनीक और चपलता का लोहा मनवाया। उन्होंने अंडर-15 आयु वर्ग के खिताबी मुकाबले में मित मिरोट को सोधे सेटों में 3-0 से पराजित किया। इसके तुरंत बाद बालक अंडर-17 वर्ग के फाइनल में मुद्रुल ने साकर भागवत के विरुद्ध कड़ा संघर्ष करते हुए 3-1 से जीत दर्ज कर



दूसरा स्वर्ण पदक इकट्ठा किया। इससे पूर्व सेमीफाइनल में मुद्रुल ने लक्ष्य भागवत को 3-0 से और साकर भागवत ने रश्मि चौकसे को 3-2 से हराकर फाइनल का सफर तय किया था।

बालिका वर्ग के फाइनल मुकाबलों में भी रोमांचक भिड़ंत देखने को मिली। अंडर-15 आयु वर्ग में सिद्धिदा जैन ने सान्वी खिलवा की चुनौती को 3-1 से ध्वस्त कर खिताबी जीत दर्ज की। वहीं, अंडर-17 आयु वर्ग में नेहल नाहर ने आरवी जैन को 3-1 से शिकस्त देकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इससे पहले सेमीफाइनल में आरवी जैन ने सिद्धी

रोमांचक फाइनल में सोनी सुपर किंग्स को दी मात, ऑक्शन के जरिए चुनी गई थीं टीम

ईसीसी माहेश्वरी ने जीता आईएमएलसी सीजन-1 का खिताब

गोवाल ■ विस

माहेश्वरी मीत एवं सह-आयोजक विज्ञान क्षेत्र माहेश्वरी युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में मध्य प्रदेश में पहली बार आयोजित इंदौर माहेश्वरी लेदर चैंपियनशिप (आईएमएलसी) सीजन-1 का भव्य समापन हुआ। खिताबी मुकाबले में ईसीसी माहेश्वरी ने एक बेहद रोमांचक और कश्मकश भरे मैच में सोनी सुपर किंग्स को पराजित कर प्रथम सीजन की चमचमाती ट्रॉफी अपने नाम की। खेल भावना और समाज की एकजुटता का प्रतीक बनी इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता ने अंतिम दिन तक रोमांच का स्तर बनाए रखा।

आयोजन समिति के नीरज जाखेटिया, निशित बियाणी, अम्बर माहेश्वरी, आदित्य माहेश्वरी और मंगेश राठी ने ब्याख्या कि इस प्रतियोगिता को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देने के लिए आईपीएल की तर्ज पर ऑक्शन प्रक्रिया अपनाई गई थी। देशभर से आए 18 से 50 वर्ष की उम्र के खिलाड़ियों के लिए



चार टीमों- ईसीसी माहेश्वरी, सोनी सुपर किंग्स, एएमएनवाईसी मेवरिक्स और क्लड चैंपियंस ने बौली लगाकर अपने स्कोर बढ़ाते हुए जीत दर्ज की। लेदर बॉल से खेले गए इस टूर्नामेंट में युवाओं के साथ-साथ अनुभवी खिलाड़ियों ने भी अपना दमखम दिखाया। प्रखर गादीया बने मैन ऑफ द सीरीज : प्रतियोगिता के समापन अवसर पर व्यक्तिगत श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने

वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। भोलबाबू के प्रखर गादीया ने अपने शानदार खेल के बूते मैन ऑफ द सीरीज और बेस्ट बेट्समैन के दोनों प्रमुख खिताब अपने नाम किए। वहीं, नासिक के यश विखाल जाजू को उनकी कक्षा गेंदबाजी के लिए बेस्ट बॉलर चुना गया। फील्डिंग के क्षेत्र में चित्तौड़गढ़ के विकास दाद ने अपनी फुर्ती से बेस्ट फोल्डर का पुरस्कार हासिल किया।

व्यापार समाचार

एसबीआई करेगा अगुवाई, वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं

एआई के खतरों से निपटने के लिए साथ आएं बैंक

नई दिल्ली ■ एजेसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि एआई से जुड़े नए खतरों से निपटने के लिए भारतीय बैंकों को पारंपरिक सुरक्षा से आगे बढ़कर मजबूत तैयारी करनी होगी। सरकार ने सभी बैंकों को मिलकर काम करने को कहा है और इस प्रयास का नेतृत्व एसबीआई करेगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों के प्रमुखों के साथ एआई से जुड़े जोखिमों पर बैठक के बाद कहा कि भारत के बैंक तेजी से बढ़ते डिजिटलीकरण के कारण अब तक चुनौतियों और साइबर खतरों से निपटने में सक्षम रहे हैं, लेकिन अब उन्होंने नई तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए और अधिक मजबूत व बहुआयामी तैयारी की जरूरत है। एथ्रोपिक के एएआई मॉडल मिथोस को लेकर चिंता: उन्होंने कहा कि भारत के बैंकिंग तंत्र ने अब तक खुद को सुरक्षित और सक्षम साबित किया है, लेकिन मौजूदा हालात में पारंपरिक सुरक्षा उपाय पर्याप्त नहीं



होंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि मिथोस नाम से सामने आ रही नई चुनौती को लेकर अभी बहुत अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं है, इसलिए इसे गंभीरता से लिया जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इस मामले में टेक कंपनियों, विभिन्न नियामक संस्थाओं और दुनिया भर की सरकारों के साथ सक्रिय रूप से संघर्ष में है, ताकि यह समझा जा सके कि यह चुनौती किस रूप में सामने आ सकती है और उससे निपटने के लिए कैसी तैयारी जरूरी होगी। सीतारमण ने कहा कि सभी बैंकों

को मिलकर काम करने के निर्देश दिए गए हैं। इस समन्वित प्रयास का नेतृत्व एसबीआई के चेयरमैन करेंगे। आने वाले हफ्तों में बैंकों के बीच लगातार बैठकों और विचार-विमर्श का दौर चलेगा।

वित्त मंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब एक दिन पहले ही उन्होंने मिथोस एआई मॉडल से जुड़े अभूतपूर्व जोखिमों का जिक्र किया था। इससे पहले अप्रैल महीने की शुरुआत में वित्त मंत्री ने कहा था कि भारत की मजबूत राजकोषीय स्थिति और पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार के कारण भारतीय रिजर्व बैंक के पास

एआई का इस्तेमाल
चुनौतियों का सामना
करने के लिए भी किया
जा सकता है

उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरह एआई से नई चुनौतियां पैदा हो रही हैं, उसी तरह एआई का इस्तेमाल नए चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए भी किया जाएगा। सरकार और बैंकिंग क्षेत्र मिलकर ऐसी रणनीति तैयार करेंगे, जिससे डिजिटल बैंकिंग प्रणाली को और सुरक्षित बनाया जा सके।

नीतिगत फैसलों में अधिक लचीलापन है।

उन्होंने कहा था कि देश के पास पुंजीगत व्यय कार्यक्रम जारी रखने, जरूरत पड़ने पर ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश रखने और प्रभावित क्षेत्रों को लक्षित सहायता देने की क्षमता मौजूद है। उन्होंने जोर देकर कहा था कि पिछले एक दशक की राजकोषीय अनुशासन नीति का लाभ अब देश को मिल रहा है।

नेशनल बर्न्स सेंटर ने बड़ी तादाद में लोगों से स्किन डोनेशन के लिए आगे आने और मरीजों की जान बचाने का किया आह्वान

मुंबई ■ एजेसी

द नेशनल बर्न्स सेंटर ने हाल ही में देश भर में स्किन डोनेशन?की भारी कमी से जुड़े एक बेहद अहम पहलू को रेखांकित किया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सेंटर सालों से स्किन डोनेशन को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से प्रयासरत है। इस



मसले पर नेशनल बर्न्स सेंटर के डायरेक्टर और प्लास्टिक सर्जन डॉ। सुनील केसवानी ने स्किन डोनेशन और मरीजों की ही बर्न से जुड़े मामलों का आंकलन सही तरीके से नहीं किया जागरूकता की कमी का विशेष रूप से उल्लेख किया। गौतमलब है कि मुम्बई में स्किन बैंकों को हर साल आवश्यकता के उलट महज 25% स्किन डोनेशन ही हासिल हो पाता है। बता दें कि आग में झुलस जाने वाले लगभग 70% मरीजों को उम्र 15 से 35 साल के बीच होती है। स्किन ट्रांसप्लांटेशन के अभाव के चलते मरीजों व उनके परिवारों पर इसके गहरे आर्थिक व भावुक परिणाम देखे को मिलते हैं। उचित समय पर की जाने वाले स्किन ग्राफ्टिंग और सही चिकित्सा के चलते आग में झुलस जाने वाले मरीजों को कई तरह की जटिलताओं से बचाया जा सकता है और उचित तरीके से उनका पुनर्वास भी संभव होता है। उल्लेखनीय है कि स्किन डोनेशन का फ्रीसला किसी शब्द की मीत के 6 घंटे के भीतर किया जाना चाहिए। स्किन डोनेट करने के लिए दाता का स्थानीय स्किन के तहत पंजीकृत होना भी आवश्यक होता है।

इस बेहद अहम मुद्दे पर बात करते हुए नेशनल बर्न्स सेंटर

के डायरेक्टर और प्लास्टिक सर्जन डॉ। सुनील केसवानी कहते हैं, 'संभवतः 10 में से 1 व्यक्ति को ही स्किन डोनेशन अथवा स्किन ट्रांसप्लांटेशन की उचित प्रक्रिया की जानकारी होती है। जागरूकता की इसी कमी के चलते हर साल आग से झुलस जाने वाले मरीजों में से

न्यूनतम मरीजों को ही स्किन ट्रांसप्लांट का लाभ हासिल हो पाता है, यह एक बेहद गंभीर मसला है, इतना ही नहीं, मुम्बई में ही बर्न से जुड़े मामलों का आंकलन सही तरीके से नहीं किया जाता है जो इससे जुड़ी परेशानियों को और बढ़ा देता है। एक संस्थान के तौर पर हम ऐसे बर्न सवाइजर्स को जिनकी जानकारी बेहतर बनने की कोशिश करते हैं। एक अर्से से हम सालाना-दर-साल लगभग 300 जागरूकता अभियानों का आयोजन करते आ रहे हैं ताकि बड़ी संख्या में लोग स्किन डोनेट करने के लिए प्रेरित हो सकें। हमें इस बात की पूरी उम्मीद है कि जागरूकता से जुड़े हमारे इन प्रयासों के चलते स्किन डोनेशन से संबंधी इस कमी को पूरा किया जा सकेगा और इसके बारे में लोगों को महज सत्र में भी खासा ज्ञान प्राप्त करने को मिलेगा।'

बर्न सवाइजर विराज ठाकुर कहते हैं, 'एक कार्यस्थल पर हुए हादसे में मैं 43% तक आग में झुलस गया था। ऐसे में मेरे बचने की महज एक ही शर्त थी और वो थी सही समय पर मिलने वाला उपचार। स्किन डोनेशन के बाद हुई स्किन ग्राफ्टिंग के माध्यम से मेरी जान बच गयी थी। इसके लिए मैं 20 मिनट की कसरत और इतना मुश्किल उद्देश्य को भी पूरा करने में मेरी मदद करी। स्किन डोनेशन से जुड़े हमारे इन प्रयासों के चलते स्किन डोनेशन से संबंधी इस कमी को पूरा किया जा सकेगा और इसके बारे में लोगों को महज सत्र में भी खासा ज्ञान प्राप्त करने को मिलेगा।'

आनलाइन लेन-देन पर 0.5% से लेकर 1.5% तक कैशबैक

पीएनबी ने 18 करोड़ ग्राहकों को यूपीआई पर क्रेडिट सुविधा के विस्तार के लिए Ki2i से हाथ मिलाया

मुंबई ■ एजेसी

भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने 18 करोड़ ग्राहकों को क्रेडिट-सक्षम यूपीआई भुगतान की सुविधा शुरू करने हेतु प्रमुख 'क्रेडिट ऑन यूपीआई' 'प्लेटफॉर्म' 'कोवी' के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस सहयोग के तहत, बैंक स्पे नेटवर्क पर पीएनबी कोवी क्रेडिट कार्ड लॉन्च करेगा। यह कार्ड पूरी तरह से डिजिटल ऑनबोर्डिंग, निबंध यूपीआई एंफोर्सेशन और सभी लेनदेन पर 0.5% से 1.5% तक कैशबैक की विशेष सुविधा प्रदान करेगा, जिससे उपयोगकर्ताओं को क्रेडिट का सख्त अनुभव मिलेगा।

इस साझेदारी पर अपने व्याख्यान में बैंक के, कार्यपालक निदेशक श्री विभू प्रसाद महापात्र ने कहा कि 'भारत यूनियनबैंक प्रोमोस इंटरफेस (यूपीआई) की वृद्धि के नेतृत्व में भारत डिजिटल भुगतान की ओर तेजी

से बदलाव देख रहा है। हमारी 10,000 से अधिक शाखाओं-जिनमें से 60% अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में हैं-के साथ हम सेवा वाले वर्गों तक औपचारिक ऋण (क्रेडिट) पहुंचाने के लिए मजबूत स्थिति में हैं। जैसे-जैसे रूपे क्रेडिट कार्ड की लोकप्रियता बढ़ रही है, कोवी के साथ हमारी साझेदारी वित्तीय लचीलापन बढ़ाने और रोजमर्रा की खर्च संबंधी जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'

कोवी के सह-संस्थापक सिद्धार्थ मेहता ने कहा कि 'यह साझेदारी ग्राहकों के क्रेडिट अनुभव के तरीके को बदलने की हमारी यात्रा में देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक के विश्वास को दर्शाती है। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य एक सुरक्षित, लचीला और समावेशी क्रेडिट अनुभव प्रदान करना है जो देश भर में औपचारिक ऋण तक पहुंच को सशक्त करे।'

ईबीजी फाउंडेशन ने 'संभव है' पहल की शुरुआत की,
पूरे भारत में कार्बन-न्यूट्रल गाँव बनाने का लक्ष्य

हैदराबाद ■ एजेसी

इस कार्यक्रम की शुरुआत तेलंगाना के नलगमंडा जिले के चारला थंडा गाँव को अपनाते हुए शुरू हुई है, जो एक स्केलेबल और समुदाय-आधारित परिवर्तन की नींव रखता है।

फाउंडेशन के व्यापक राष्ट्र-निर्माण एजेंडा के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में स्थापित 'संभव है' विखरे हुए विकास प्रयासों से आगे बढ़कर एक एकीकृत, डेटा-आधारित ढांचे के माध्यम से कार्य करता है। इसका दीर्घकालिक लक्ष्य पूरे भारत में कार्बन-न्यूट्रल गाँव विकसित करना है। यह पहल पहले वर्ष में 10-20 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने



और तीन वर्षों में पूर्ण कार्बन न्यूट्रैलिटी की दिशा में आगे बढ़ने का लक्ष्य रखती है।

यह पहल चरणबद्ध तरीके से लागू की जाएगी-पहले वर्ष में 50 गाँवों के साथ 30 करोड़ के निवेश से शुरूआत होगी, दूसरे वर्ष में इसे 150 गाँवों तक विस्तारित किया जाएगा और आगे चलकर सरकारी संस्थानों

के सहयोग से 750 गाँवों तक इसका विस्तार किया जाएगा। यह चरणबद्ध योजना 'संभव है' को देश के सबसे महत्वाकांक्षी ग्रामीण सतत विकास कार्यक्रमों में से एक बनाती है।

चारला थंडा में, फाउंडेशन ने जमीनी स्तर पर कार्य शुरू कर दिया है। यह पहल पहले वर्ष में 10-20 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने

का व्यापक आधार तैयार किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने, भूजल पुनर्भरण प्रणाली को मजबूत करने, तथा संगठित कचरा पृथक्करण और कम्पोस्टिंग व्यवस्था लागू करने पर ध्यान दिया जाएगा। वृक्षारोपण अभियान और पुनर्वासी भूमि प्रबंधन से हरित आवरण बढ़ाया जाएगा, जबकि स्थानीय स्वयंसेवकों को इन प्रयासों को बनाए रखने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह गाँव 'माइनस वन बिलेज' मॉडल का जीवत उदाहरण बनेगा, जो अन्य क्षेत्रों में दोहराने के लिए एक खाका तैयार करेगा।

